mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-122 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
03 नवंबर 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत ने तीसरे टी-20...

@ पेज 7

शाह बोले- न तेजस्वी मुख्यमंत्री बनेंगे, न राहुल प्रधानमंत्री,दोनों जगह खाली नहीं

राहुल ने कहा- 56 इंच की छाती वाला डरपोक है

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर के बिशुनपुर सरैया में चुनावी सभा की। उन्होंने राजद पर निशाना साधते हुए कहा- आपका वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए होगा। ये लोग कपड़े और चेहरे बदलकर फिर जंगलराज लाएंगे। इन लोगों को वापस मत आने देना।

शाह ने कहा- लालू यादव और सोनिया गांधी को देश की कोई परवाह नहीं है। लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली नहीं है क्योंकि जगह ही खाली नहीं है। यहां नीतीश कुमार सीएम हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी पीएम हैं।

दूसरी तरफ, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा- 56 इंच की छाती वाला डरपोक है। महात्मा गांधी की छाती बड़ी नहीं थी, लेकिन वो किसी से डरते नहीं थे। इंदिरा भी किसी से नहीं डरती थीं।

राहुल बोले- मोदी सिर्फ ट्रंप नहीं अडाणी-अंबानी से भी डरते हैं :राहुल ने कहा- मोदी डरपोक हैं। मोदी जी ट्रम्प से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है कि मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रम्प अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया, लेकिन पीएम के मुंह से एक आवाज नहीं निकली। कांग्रेस सांसद ने कहा- क्करूमोदी से ज्यादा दम इंदिरा गांधी में था। उन्होंने अमेरिका को चुप करा दिया था। ट्रम्प कहता है मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। मैं मोदी जी को चैलेंज करता हूं बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहा है। राहुल ने आगे कहा- मोदी सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति से नहीं डरते, उनका कंट्रोल अडाणी और अंबानी के भी हाथ में हैं। चुनाव के दिन तक आप जो भी कहेंगे मोदी वो करेंगे. चुनाव के बाद न आएंगे, न कुछ करेंगे। अगली बार जब वो आए तो कहना मोदी जी हम आपको ये सीट जितवा देंगे, आप डांस करो, वो कर देंगे। आज कहो आप डांस करो, हम जीता देंगे वो डांस करने लगेंगे।

शाह ने कहा- मोकामा में हत्या हुई, यह ठीक नहीं; कानून कड़ी कार्रवाई करेगा

अमित शाह ने कहा कि मोकामा में हत्या हुई। यह ठीक नहीं है। गलत हुआ। कानून कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अनंत सिंह के टिकट देने के मुद्दे पर अमित शाह ने कहा- वे जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। शराबबंदी पर उन्होंने कहा कि मेरा व्यक्तिगत मत है कि यह पूरे देश में होनी चाहिए। उन्होंने एक न्यूज चैनल से बातचीत में ये बातें कहीं। आज जंगलराज भेष और चेहरा बदलकर वापस आना चाहता है। नीतीश कुमार के सवाल पर शाह ने स्पष्ट कहा कि चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ रहे हैं। जीत के बाद भी मुख्यमंत्री वही रहेंगे। संवैधानिक प्रक्रिया में विधायक तय करते हैं, लेकिन एनडीए पहले ही घोषणा कर चुका है।

राबड़ी बोलीं- तेज प्रताप जीते, मेरा मन यही चाहता है :पूर्व मुख्यमंत्री और राजद की नेता राबड़ी देवी ने बड़े बेटे तेज प्रताप के बारे में पूछे जाने पर कहा कि वो लड़ रहा है, अपनी जगह वह ठीक है। राबड़ी सीएम फेस बेटे तेजस्वी के लिए राघोपुर में शनिवार को रोड शो कर रही थीं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मन से वह (तेज प्रताप) मेरा बेटा है। मेरे मन से थोड़े निकला है। मेरे दिल में है। पार्टी ने उसे निकाला है। प्रचार नहीं करेंगे, पर वो जीते, ये मेरा मन चाहता है। वहीं, तेजस्वी के लिए राघोपुर में प्रचार कर रहीं रोहिणी आचार्य से तेजप्रताप के बारे में पूछा गया तो कहा कि वह भी मेरा भाई है। बड़ी बहन होने के नाते मैं उसे भी जीत का आशीर्वाद देती हूं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पहुंचीं देहरादून

फुट ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया, सीएम धामी बोले- दुनिया ने आपको राफेल में उड़ान भरते देखा

देहरादून, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज अपने तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे के तहत देहरादून पहुंच चुकी हैं। यहां राष्ट्रपति ने डेढ़ बजे राजपुर रोड पर फुट ओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। इससे पहले राष्ट्रपति हरिद्वार में पतंजलि यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं, जहां बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति ने दीक्षांत में 54 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल पहनाए। इसके साथ ही 62 शोधार्थियों को पीएचडी, तीन विद्वानों को डी. लिट. की उपाधि के अलावा 744 ग्रेजुएशन एवं 615 पोस्ट ग्रेजुएशन समेत 1424 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी।

इस दौरान सीएम सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने और दुनिया ने देखा कि कैसे राष्ट्रपति राफेल में सवार हुई और उड़ान भरी, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायक तस्वीर थी। उत्तराखंड के 25 साल पूरे होने पर आप यहां पहुंचें इसके लिए मैं आपका कोटी-कोटी आभार व्यक्त करता हूं।

राष्ट्रपति ने बच्चों को श्रीमद्भगवद्गीता के एक अध्याय के बारे में बताया

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए कहा कि आज मुझे खुशी हुई कि जन लोगों को मैंने डिग्रियां दी, उनमें 64ल्ल संख्या लड़कियों की है। यह केवल संख्या नहीं है, यह महिलाओं के नेतृत्व में आगे बढ़ने वाले विकसित भारत का अग्रिम स्वरूप है। मुझे विश्वास है कि हमारी शिक्षित बेटियां अपनी आंतरिक शक्ति और प्रतिभा से भारत-माता का गौरव बढ़ाएंगी।

जयपुर में नीरजा मोदी स्कूल की बिल्डिंग से छात्रा कूदी

● रेलिंग पर चढ़कर छलांग लगा दी; वॉशरूम जाने की परमिशन लेकर निकली थी क्लास से

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में नीरजा मोदी स्कूल में 4th फ्लोर से कूदकर छात्रा ने सुसाइड कर लिया। 1 नवंबर (शनिवार) को हुई इस घटना का विडियो सामने आया है। करीब 10 सेकेंड के सीसीटीवी फुटेज में पहले बच्ची स्कूल की रेलिंग पर चढ़कर बैठती है। इसके बाद नीचे कूद जाती है। सिर दीवार से टकराते हुए लड़की झाड़ियों में गिरती है।

मानसरोवर के शिप्रा पथ स्थित स्कूल में घटना दोपहर 1:30 बजे हुई। छात्रा अमायरा (9) पुत्री विजय कुमार मानसरोवर स्थित द्वारका अपार्टमेंट में रहती थी।

आखिरी पीरियड में टीचर से वॉशरूम जाने की परमिशन लेकर क्लास से निकली और सीधे चौथी मंजिल पर जाकर नीचे छलांग लगा दी।

बच्ची की पसलियां टूटीं :मेट्रो मास हॉस्पिटल के इमरजेंसी वार्ड में मौजूद डॉक्टर ने बताया- जब बच्ची को हॉस्पिटल लेकर आए थे।, उस वक्त सांसें लगभग थम चुकी थीं। उसकी पसलियां टूटकर आंतरिक अंगों के अंदर घुस गई थीं।

इसकी वजह से बॉडी में हवा भर गई थी। हवा भरने की वजह से पूरी बॉडी में सूज गई थी। सिर में भी गहरी चोट थी। इस कारण काफी ब्लीडिंग हुई थी। मुरलीपुरा के मुक्तिधाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

स्कूल प्रशासन ने सबूत मिटाए :आरोप है कि जहां बच्ची गिरी, वहां से खून के धब्बे को स्कूल प्रशासन ने साफ करवा दिए। घटना के बाद मौके से सबूत सुरक्षित रखना कानूनन जरूरी होता है, लेकिन स्कूल प्रशासन ने सबूत मिटा दिए।

शनिवार को हादसे की सूचना पर मेट्रो मास अस्पताल पहुंची मां शिबानी देव और पिता विजय देव का बुरा हाल था।

आंध्र प्रदेश वेंकटेश्वर मंदिर भगदड़-प्राइवेट प्रॉपर्टी पर बना मिनी तिरुपति,न प्रशासन को बताया, न परमिशन ली

10 गुना ज्यादा लोग पहुंचे; हादसे की 6 वजहें

श्रीकाकुलम, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के कासीबुग्गा कस्बे में बने वेंकटेश्वर मंदिर में हर शनिवार 1,500 से 2,000 श्रद्धालु आते हैं, लेकिन 1 नवंबर को देव उठनी एकादशी और कार्तिक मास होने से भीड़ असामान्य रूप से बढ़ गई थी।

यह मंदिर चार महीने पहले ही खोला गया है। इसे प्रसिद्ध तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है, इसलिए इसे 'चिन्ना तिरुपति' (मिनी तिरुपति) कहा जाता है।

वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ में 10 मौतें हुई हैं, कई घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 11:30 बजे तब हुआ जब श्रद्धालु मंदिर की पहली मंजिल पर बने गर्भगृह की ओर चढ़ रहे थे।

मंदिर हरिमुकुंद पांडा के निजी स्वामित्व में है। एंडोमेंट्स विभाग के अधीन नहीं आता। मंदिर के प्रशासक ने अपनी जमीन पर भगवान वेंकटेश्वर का यह मंदिर बनवाया है। इसका एंट्री-एग्जिट गेट एक ही है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि अगर आयोजन की पुलिस को पहले से सूचना दी गई होती, तो भीड़ को मैनेज करने की योजना बनाई जा सकती थी।

फिलहाल पुलिस ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

6 कारण, जो हादसे के लिए जिमेदार

1. **क्षमता से 10 गुना लोग पहुंचे :** मंदिर की क्षमता केवल 2,000 से 3,000 श्रद्धालुओं की है, पर एकादशी के दिन करीब 25,000 पहुंच गए।
2. **न जानकारी दी, न अनुमति ली :** सीएम नायडू ने कहा, पुलिस को पहले से सूचना दी गई होती, तो भीड़ प्रबंधन की योजना बनाई जा सकती थी।
3. **इलाका अभी निर्माणाधीन है :** श्रद्धालुओं के जमा होने वाला भवन निर्माणाधीन था। निर्माण कार्य चलने से पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम भी नहीं थे।
4. **वॉलंटियर्स भी तैनात नहीं थे :**भीड़ काबू करने लिए पर्याप्त लोग नहीं थे।
5. न सीसीटीवी, न लाउडस्पीकर- कैमरा या लाउडस्पीकर सिस्टम नहीं था, जो लोगों को दिशा या चेतावनी दे सके।
6. **मंदिर निजी भूमि पर :** हरिमुकुंद पांडा ने अपनी जमीन पर भगवान वेंकटेश्वर का यह मंदिर बनवाया था।

गुजरात- भाई को मारा, प्रेग्नेंट भाभी से रेप-मर्डर

लात मारी तो बच्चा गर्भ से बाहर आया

राजकोट, एजेंसी। गुजरात के जूनागढ़ शहर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शोभावदला गांव के खोडियार आश्रम में एक 15 साल के नाबालिग ने अपने भाई और प्रेग्नेंट भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी। भाभी की हत्या से पहले उसने रेप भी किया था।

आरोपी ने महिला के पेट पर इतनी जोर से लात मारी कि उसका 6 महीने का बच्चा गर्भ से बाहर निकल गया। घटना 16 अक्टूबर को हुई, लेकिन इसका खुलासा 31 अक्टूबर, शुक्रवार को हुआ। आरोपी ने भाई-भाभी के शवों को नग्न कर घर में दफना दिया था।

उसने दोनों के कपड़ों में आग लगा दी और खून के धब्बे साफ कर दिए थे। उसकी मां ने बड़े बेटे और बहू का शव घर में दफनाने में उसकी मदद की थी। 31 अक्टूबर को पुलिस आश्रम गई। आश्रम के पीछे घर से पति-पत्नी और एक नवजात का शव सड़ी-गली अवस्था में बाहर निकाला।

पुलिस ने नाबालिग आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया। मृतकों की पहचान शिवमगिरी (22 साल) और उसकी पत्नी, कंचन कुमारी (19) के रूप में की गई। शिवमगिरी इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। आरोपी आश्रम की देखभाल और गोशाला में गायों की सेवा करता था।

टीएमसी का आरोप- एसआईआर के डर ने एक और जान ली

भाजपा के हाथ खून से रंगे, तमिलनाडु में मरने वाले मजदूर को गैर-नागरिक घोषित किए जाने की चिंता थी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में SIR पर राजनीति लगातार गरमा रही है। शनिवार रात तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने दावा किया कि पूर्व बर्दवान जिले के एक और व्यक्ति की मौत SIR के डर से हुई है। TMC ने इसे लेकर कहा कि बीजेपी के हाथ खून से रंगे हैं। चुनाव आयोग पर भी आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे भय और नफरत की सियासत का नतीजा बताया है। TMC ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि जमालपुर, पूर्व बर्दवान के नबाग्राम गांव के रहने वाले बिमल संत्रा की जान स्ढ्क्र के डर और तनाव की वजह से गई। वे तमिलनाडु में प्रवासी मजदूरी करते थे।

तृणमूल कांग्रेस ने पोस्ट में लिखा कि - बीजेपी की डर और नफरत की राजनीति ने एक और कीमती जान ले ली है। कुछ ही दिनों में हमने देखा कि पनिहाटी के प्रदीप कर ने NRC के डर से जान दी, दिनहाटा के 63 वर्षीय बुजुर्ग ने खुदकुशी की कोशिश की, और अब बिमल संत्रा की मौत हुई है। यह सब SIR के आतंक का नतीजा है।

तनाव में थे पिता- बिमल संत्रा के बेटे : पापा काफी तनाव में थे। नौकरी नहीं थी, इसलिए तमिलनाडु चले गए थे। वहीं उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

वहीं मामले पर स्थानीय विधायक अशोक मजूमदार ने कहा कि 100 दिन का काम (मनरेगा) बंद होने से लोग बेरोजगार थे। बिमल तमिलनाडु में मजदूरी कर रहे थे। परिवार ने बताया कि वे SIR के डर से परेशान थे और तनाव में थे। यह बहुत दुखद है। मैं परिवार के साथ हूं।

तृणमूल कांग्रेस का EC पर पक्षपात का आरोप :

टीएमसी के राज्य मंत्री अरूप विश्वास और सांसद पार्थ भौमिक ने आरोप लगाया कि आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए बड़े पैमाने पर वोटर लिस्ट से नाम हटाने की कोशिश कर रहा है। उधर, भाजपा नेता शिशिर बजोरिया ने सीईओ कार्यालय की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि 40% बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) अस्थायी हैं और राज्य सरकार से जुड़े हैं।

भाजपा बोली- TMC गुमराह कर रही : SIR को लेकर डर के माहौल वाली बात पर BJP का कहना है कि TMC जनता को गुमराह कर रही है।

पश्चिम बंगाल में SIR ट्रेनिंग शुरू

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) के लिए शनिवार को BLO का ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया। इस दौरान कई BLO ने प्रशासनिक और सुरक्षा व्यवस्थाओं का विरोध किया।

नैनीताल में ट्रैवलर खाई में गिरा, 2 की मौत:16 लोगों की हालत गंभीर, नशे में था ड्राइवर; कैंची धाम के दर्शन कर लौट रहे थे

नैनीताल/दिल्ली,एजेंसी। उत्तराखंड के नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर 50 फीट गहरी खाई में गिर गया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई और 16 गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, ड्राइवर सहित 18 टूरिस्टों का दल बाबा नीब करौरी के कैंची धाम में दर्शन के बाद दिल्ली लौट रहा था। टेम्पो ट्रैवलर में एक ही परिवार के लोग सवार थे। शनिवार देर रात 12 बजे के बाद जब वाहन ज्योलीकोट के मटियाली बैंड के पास पहुंचा, तो अचानक ड्राइवर का नियंत्रण हट गया। वाहन करीब 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। घायलों के मुताबिक, टेंपो ट्रैवल का ड्राइवर नशे में था और उसको गाड़ी चलाने से रोका भी था। लेकिन वह नहीं माना और गाड़ी भगा दी। सूचना मिलते ही ज्योलीकोट चौकी प्रभारी उप निरीक्षक श्याम सिंह बोरा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थोड़ी ही देर में क्षेत्राधिकारी अमित कुमार, थानाध्यक्ष तल्लीताल मनोज नयाल एवं एसडीआरएफ टीम भी घटना स्थल पर पहुंची। घायलों को तुरंत हल्द्वानी के सुशीला तिवारी हॉस्पिटल, चंदन हॉस्पिटल, और सेंट्रल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। SSP नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टी.सी. देर रात अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल-चाल जाना। एसएसपी ने डॉक्टरों से उपचार संबंधी जानकारी ली एवं घायलों व परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

राजस्थान में 28000 फीट की ऊंचाई से मिसाइलें दागीं

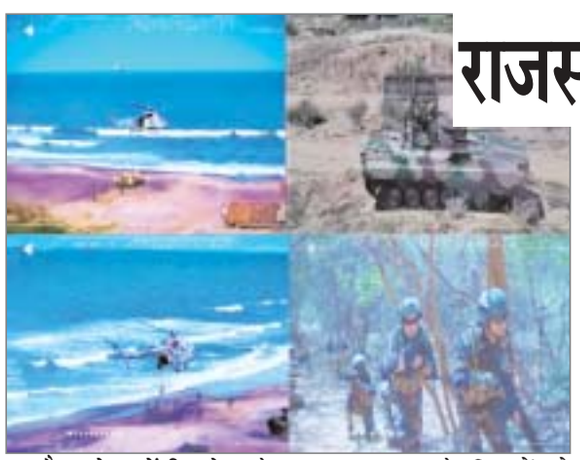

रेत के धोरों में गरज रहे टैंक, आर्मी-नेवी और एयरफोर्स ने दुश्मनों के ठिकानों को नेस्तनाबूद किया

जैसलमेर,एजेंसी। रेत के धोरों में टैंक गरज रहे हैं। 28 हजार फीट तक की ऊंचाई से लड़ाकू विमानों ने मिसाइलें दागीं। सेना के जांबाज चुन-चुनकर दुश्मन के ठिकानों को नेस्तनाबूद कर रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तीनों सेनाओं की ये सबसे बड़ी एक्सरसाइज है।

30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक युद्धाभ्यास जारी रहेगा :आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के संयुक्त अभियान के तहत जैसलमेर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से लेकर कच्छ (गुजरात) तक युद्धाभ्यास चल रहा है। 30 अक्टूबर से 10 नवंबर तक युद्धाभ्यास जारी रहेगा।

भारत पश्चिमी मोर्चे पर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों पर 'अभ्यास त्रिशूल' के जरिए अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। आर्मी के पैरा कमांडो, एयरफोर्स के गरुड़ और नेवी के मार्कोस अपना दम दिखा रहे हैं।

10 मिनट के अंदर सबकुछ तहस-नहस किया :दुश्मन के बनाए काल्पनिक ठिकानों पर सेना के जांबाज हेलिकॉप्टर से रैपलिंग या एयर-लैंडिंग की और 10 मिनट के अंदर सबकुछ तहस-नहस कर दिया। इस दौरान टी-90 टैंकों ने रेगिस्तान में धूल उड़ाते हुए तेजी से आगे बढ़ते और फायरिंग करते हुए अभ्यास किया।

इस दौरान लड़ाकू जेट ने खतरनाक क्लोज-फॉर्मेशन, उड़ान के दौरान ईंधन भरने और बॉम्बिंग रन की प्रैक्टिस की। सेना ने हाल ही में इसका वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी है।

तीनों सेनाओं का जॉइंट एक्सरसाइज :अभ्यास त्रिशूल में 28 हजार फीट की ऊंचाई तक वायुसेना के लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर मिशन चला रहे हैं। जमीन पर थलसेना के टी-90 टैंक, तोपखाने और रॉकेट सिस्टम ने मोर्चा संभाला है, जबकि नौसेना ने समुद्री इलाकों और तटीय सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत किया है।

रेतीले टीलों और कच्छ के क्रीक इलाकों में तीनों सेनाओं के विशेष बल- आर्मी के पैरा कमांडो, एयरफोर्स के गरुड़ और नेवी के मार्कोस कमांडो- मिलकर एक साथ आक्रमण और बचाव की रणनीतियों का अभ्यास कर रहे हैं। यह पहली बार है जब तीनों के कमांडो बल एकीकृत रूप में इतने बड़े पैमाने पर अभ्यास कर रहे हैं।

इंद्रलोक से कश्मीरी गेट तक बढ़ेगा मुनक नहर एलिवेटेड कॉरिडोर, चार किलोमीटर बनेगी लंबी टनल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुनक नहर एलिवेटेड कॉरिडोर को इंद्रलोक से कश्मीरी गेट तक बढ़ाया जाएगा। इसके लिए चार किलोमीटर लंबी टनल बनेगी। इससे पहले योजना थी कि बवाना से इंद्रलोक तक 20 किलोमीटर लंबा सिग्नल फ्री एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाए लेकिन अब इस योजना को चार किमी का विस्तार दिया गया है। इससे कश्मीरी गेट के आसपास ही नहीं बल्कि मध्य दिल्ली में जाम की समस्या खत्म होगी। साथ ही, जिन वाहनों को हरियाणा की तरफ जाना होगा उन्हें सिग्नल फ्री कॉरिडोर की सुविधा मिलेगी।

यह योजना दिल्ली सरकार की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत शहर के सड़क ढांचे को आधुनिक और टिकाऊ बनाया जा रहा है। मुनक नहर एलिवेटेड कॉरिडोर दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर से लेकर मध्य दिल्ली तक सिग्नल-फ्री और तेज रफ्तार सफर मुहैया कराएगा। यह परियोजना पूरी होने के बाद सोनीपत, रोहतक और यूईआर से आने वाले वाहनों को सीधे मध्य दिल्ली तक पहुंचने का वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। अभी मुकरबा चौक, आजादपुर, रोशनारा रोड और बुराड़ी क्षेत्र में घंटों जाम लगता है लेकिन एलिवेटेड कॉरिडोर और सुरंग के संयोजन से यह समस्या खत्म होगी। परियोजना पूरी होने के बाद हरियाणा बॉर्डर से कश्मीरी गेट तक का सफर करीब 40त्न तक कम समय में पूरा होगा।

मध्य दिल्ली को होगा सबसे ज्यादा फायदा: चार किमी लंबी टनल इंद्रलोक से आईएसबीटी कश्मीरी गेट को सीधे जोड़ेगी। इससे दिल्ली मेट्रो स्टेशन, बस टर्मिनल और रेलवे स्टेशन के पास वाहनों का दबाव कम होगा। मार्ग के शुरू होने से नॉर्थ, नॉर्थ-वेस्ट और वेस्ट दिल्ली के हजारों लोगों को सीधा फायदा होगा जो रोजाना कश्मीरी गेट, सिविल लाइंस, आईटीओ या पुरानी दिल्ली की तरफ यात्रा करते हैं। मौजूदा समय में कश्मीरी गेट ट्रैफिक के लिहाज से काफी बड़ा हाटस्पॉट बन चुका है। यहां पर पांच अलग-अलग दिशाओं से ट्रैफिक की आवाजाही होती है। ऐसे में जाम आम बात है।

पीडब्ल्यूडी की अन्य विभागों से बातचीत शुरू: पीडब्ल्यूडी ने इस योजना को दिल्ली की संपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पॉलिसी के अनुरूप लागू करने के लिए अन्य विभागों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। तैयार की जा रही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में इंजीनियरिंग डिजाइन, सुरंग निर्माण की तकनीकी योजना और मौजूदा एलिवेटेड नेटवर्क के साथ एकीकरण की रूपरेखा तय की जाएगी। इस डीपीआर के बाद परियोजना की लागत, भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य को अंतिम रूप दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना आंतरिक संकरी सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव घटाएगी और सुरक्षित, तेज व पर्यावरण-अनुकूल यातायात को बढ़ावा देगी। हरियाणा से निर्बाध कनेक्टिविटी मुनक नहर रोड दिल्ली-हरियाणा के बीच अहम कनेक्टिविटी रूट है। इस विस्तार के बाद यह मार्ग सीधे दिल्ली के मुख्य हिस्सों कश्मीरी गेट, आईएसबीटी, सिविल लाइंस और आउटर रिंग रोड से जुड़ जाएगा। इस कनेक्टिविटी से व्यापारिक इलाकों तक सामान की ढुलाई तेज और सुगम होगी।

जरूरी काम बताकर बहाने से बुलाया, लड़की पर साथ चलने का बनाया दबाव, राजी नहीं होने पर चाकू से गोदा

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक नाबालिग लड़की को साथ ले जाने में नाकाम युवक ने उसे चाकू से गोद दिया। आरोपी लड़की को लेकर बिहार जाना चाहता था। लहूलुहान हालत में लड़की अस्पताल पहुंची। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके का मुआयना करने के बाद लड़की के बयान पर आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

उत्तर जिला के पुलिस अधिकारी ने बताया कि 16 साल की पीड़ित लड़की परिवार के साथ झड़ौदा इलाके में रहती है। उसका परिवार मूलत- यूपी के जिला कासगंज का रहने वाला है। वजीराबाद थाने में दर्ज प्राथमिकी में घायल लड़की ने बताया कि करीब एक साल पहले वह मोरी गेट में पैकिंग का काम करती थी, तभी इसकी जान पहचान वहां काम करने वाले सोनिया विहार निवासी एक लड़के से हुई। उसके बाद उसने मोबाइल नंबर ले लिया। दोनों की फोन पर बात होने लगी। लड़की का आरोप है कि तभी से ही वह अपने साथ भागने की जिद करने लगा था। लेकिन उसने हर बार उसे मना कर दिया।

दो दिन पहले सुबह करीब 10 बजे उस लड़के ने फोन किया। उसने कहा कि मैं झड़ौदा एमसीडी स्कूल के पास गली में खड़ा हूं, एक जरूरी काम के लिए कुछ बात करनी है। उसके बुलाने पर वह उससे मिलने उस गली में आ गई। आरोप है कि वह लड़की को अपने साथ बिहार ले जाने की जिद करने लगा। लड़की ने मना करने पर वह गुस्से में आ गया और जान से मारने की धमकी देकर उसपर चाकू से पेट पर वार कर दिया। बचाव में लड़की ने अपने हाथ से चाकू पकड़ने की कोशिश की, आरोपी ने दोबारा उसके पेट में चाकू से वार कर दिया और वहां से भाग गया।

हमला करने के दौरान आरोपी का मोबाइल वहीं गिर गया। जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में कर लिया है। खून से लथपथ हालत में लड़की पेट दबाकर अपनी मां को फोन कर घटना के बारे में बताया और फिर पास के अस्पताल पहुंचकर अपना इलाज करवाया। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना के बाद से भागे आरोपी की तलाश कर रही है।

सड़क पर खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, एलएलबी के छात्र की मौत

दिल्ली, एजेंसी। मध्य दिल्ली के आईपी एस्टेट थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में होंडा सिटी सवार एलएलबी छात्र की मौत हो गई। छात्र की तेज रफ्तार कार पंक्चर हुए ट्रक में जा घुसी। राहगीरों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार से छात्र को निकालकर नजदीकी एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया।

यहां छात्र को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की शिनाख्त रुद्र प्रताप सिंह (22) के रूप में हुई है। रुद्र के पिता ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी में पूर्व ओएसडी रहे हैं, फिलहाल इनकी तैनाती कानपुर यूपीसीडा में है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। मध्य जिला के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने बताया कि रुद्र प्रताप अपने परिवार के साथ सेक्टर-19, नोएडा में रहते थे।

इनके परिवार में पिता नवीन कुमार सिंह, मां साधना सिंह के अलावा एक छोटी बहन है। पिता नवीन कुमार सिंह ग्रेटर नोएडा अथॉरिटी में ओएसडी के पद पर तैनात थे, कुछ ही दिनों पूर्व इनका कानपुर, यूपीसीडा में ट्रांसफर हुआ है। रुद्र प्रताप सोनीपत, हरियाणा के ओपी जिंदल कॉलेज से एलएलबी कर रहा था।

शुक्रवार को वह अपने दोस्तों के यहां उत्तरी दिल्ली में रुके थे। शनिवार तड़के वह दोस्त के यहां से घर के लिए अपनी होंडा सिटी कार से निकले। इस बीच करीब 5.00 बजे आउटर रिंग रोड स्थित सलीमगढ़ फ्लाईओवर पहले से खड़े ट्रक से इनकी कार की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही आधी कार ट्रक के पिछले हिस्से में घुस गई। दरअसल हरियाणा नंबर के ट्रक में पंक्चर हो गया था और सड़क पर खड़ा हुआ था। फ्लाईओवर के मोड़ पर कार अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे के तुरंत बाद पुलिस को खबर दे दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह कार को ट्रक के पिछले हिस्से से निकालकर रुद्र को कार से बाहर निकाला। बाद में अस्पताल ले जाने पर उनको मृत घोषित कर दिया गया। कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पुलिस ने छात्र की पहचान कर उनके परिजनों को खबर दी। खबर मिलते ही परिवार मौके पर पहुंच गया। इकलौते बेटे की मौत के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

भागो..उसके पास चाकू है, लंदन जा रही ट्रेन में चाकूबाजी से मची चीख-पुकार; चश्मदीदों ने सुनाई आपबीती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में शनिवार शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। लंदन जा रही एक ट्रेन में एक व्यक्ति ने यात्रियों पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे अफरातफरी मच गई। इस हमले में 10 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक चश्मदीद के मुताबिक, ट्रेन में लोग डर के मारे भागते हुए नजर आए और कई यात्री अपनी जान बचाने के लिए बोगियों से बाहर निकलने की कोशिश करते दिखे। यात्री ने आगे बताया कि एक व्यक्ति बड़े चाकू से लैस होकर ट्रेन की बोगियों में इधर-उधर घूम रहा था और अचानक यात्रियों पर हमला करने लगा। स्काई न्यूज से बात करते हुए एक यात्री ने कहा कि उसने एक आदमी को खून से लथपथ हालत में देखा जो चिल्ला रहा था भागो, उनके पास चाकू है, मुझे चाकू मारा गया है। वह व्यक्ति कुछ देर बाद वहीं गिर पड़ा और तुरंत उसे एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। एक अन्य यात्री ने बताया कि लोग ट्रेन में भाग रहे थे, किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा था कि आखिर हो क्या रहा है?

ट्रेन में फैली दहशत: इस हमले के दौरान ट्रेन में मौजूद ब्रेन चैंबर्स ने बताया कि जैसे ही उन्होंने एक घायल यात्री को चाकू लेकर भागते देखा, वे भी अन्य यात्रियों के साथ ट्रेन के आगे की ओर भागे। उन्होंने कहा कि हम बेहद डरे हुए थे, यह सब किसी फिल्म के डरावने दृश्य जैसा था। जब ट्रेन हंटिंगडन (कैम्ब्रिजशायर) में आपातकालीन रूप से रोकी गई, तब सशस्त्र पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। एक गवाह के अनुसार, पुलिस ने प्लेटफॉर्म पर एक व्यक्ति को निशाने पर लिया जिसके हाथ में बड़ा चाकू था। कुछ ही देर में संदिग्ध को टेसर गन से काबू कर लिया गया।

खून से सनी बोगियां: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के डिब्बों में हर जगह खून बिखरा हुआ था। कई यात्री खुद को शौचालयों में बंद कर चुके थे ताकि हमलावर से बच सकें। द टाइम्स को दिए बयान में एक यात्री ने बताया कि भगदड़ में लोग एक-दूसरे पर गिर रहे थे, कुछ तो कुचल भी गए। ब्रिटिश ट्रांसपोर्ट पुलिस ने पुष्टि की कि दस लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें नौ की हालत बेहद नाजुक है। उन्होंने बताया कि काउंटर टेररिज्म यूनिट भी जांच में सहयोग कर रही है, हालांकि हमले के पीछे की मंशा अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

पीएम ने घटना पर क्या कहा? ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना को भयावह और बेहद चिंताजनक बताया। उन्होंने आपात सेवाओं की तत्परता की सराहना की और कहा कि मेरे विचार सभी पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। पुलिस ने मौके से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और ट्रेन को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। ईस्ट ऑफ इंग्लैंड एंबुलेंस सर्विस ने बताया कि इस हमले के बाद बड़े पैमाने पर राहत अभियान चलाया गया, जिसमें हवाई एंबुलेंस और सामरिक टीमों को भी शामिल किया गया। वहीं, कैम्ब्रिजशायर के मेयर पॉल ब्रिस्टो ने कहा कि यह भयावह दृश्य थे और उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में धमाका

जांच में पता चला जानबूझकर किया गया विस्फोट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रसिद्ध हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में शनिवार तड़के हुए धमाके ने प्रशासन और सुरक्षाबलों को अलर्ट कर दिया। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि यह विस्फोट जानबूझकर किया गया था। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। स्थानीय पुलिस और फायर डिपार्टमेंट ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी है।

बोस्टन पुलिस के मुताबिक, यह घटना तड़के सुबह गोल्डेनसन बिल्डिंग में हुई, जहां अचानक आग लगने का अलार्म बज उठा। अलर्ट मिलने के बाद एक विश्वविद्यालय पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे, तभी दो संदिग्ध व्यक्ति इमारत से भागते हुए देखे गए। अधिकारी ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे फरार हो गए। इसके तुरंत बाद इमारत के अंदर जांच में विस्फोट के साक्ष्य मिले। बोस्टन फायर डिपार्टमेंट ने प्रारंभिक जांच के बाद पुष्टि की कि यह विस्फोट इंटेंशनल यानी जानबूझकर किया गया था। अधिकारियों ने पूरी इमारत की सर्चिंग की, लेकिन कोई अतिरिक्त विस्फोटक डिवाइस नहीं मिला। फायर विभाग और विश्वविद्यालय पुलिस ने कहा कि उन्होंने इलाके को सुरक्षित कर लिया है और किसी अन्य खतरे की आशंका नहीं है।

गोविंदपुरी इलाके में बीती रात गोलियां चलने से हड़कंप, गोली लगने से एक घायल, लाला और आसिफ ने फैलाई दहशत

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दक्षिण पूर्व जिले के गोविंदपुरी थाना इलाके में बीती रात गोलियां चलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मौके पर कई राउंड गोलियां चली हैं और एक गोली राजकुमार नामक युवक को लगी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार लाला और आसिफ नामक आरोपी 20 से 25 लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और गोलियां चलाई।

बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश में राजकुमार को गोली मारी है। पुलिस अधिकारी देर रात मौके पर पहुंच गए थे। गोविंदपुरी थाना पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रविवार सुबह तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर थे।

रील बनाने के लिए की फायरिंग, पिता-पुत्र गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शास्त्री नगर इलाके में रील बनाने के लिए की गई फायरिंग के चक्कर में पिता-पुत्र जेल पहुंच गए। बेटे ने पिता की लाइसेंसी पिस्टल से दिवाली वाले दिन फायरिंग कर दी। बाद में इसकी रील बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी। पुलिस को जब पता चला तो पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों की पहचान सुमित (22) और इसके पिता मुकेश (42) के रूप में हुई है। पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद पिता मुकेश के नाम से जारी किए गए पिस्टल के लाइसेंस की पड़ताल की तो वह भी एक अक्तूबर को एक्सपायर मिला। पुलिस ने आरोपियों के पास से पिस्टल बरामद कर पूछताछ शुरू कर दी है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 30 अक्तूबर को एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम शास्त्री नगर मेट्रो स्टेशन के पास गश्त पर थी। इस बीच खबर मिली कि इंस्टाग्राम पर फायरिंग करने की रील बनाने वाला युवक शास्त्री नगर की एक दुकान में मौजूद है। जानकारी जुटाने के बाद टीम वहां पहुंची। आरोपी को मौके से दबोच लिया गया।

बर्तन के गोदाम में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार दोपहर बर्तन के गोदाम में आग लग गई। सूचना मिलते ही स्थानीय अशोक विहार थाना की पुलिस के अलावा दमकल की 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने पांच घंटे में आग पर काबू पा लिया।

हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के मुताबिक, शनिवार दोपहर बी ब्लॉक वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में मारुति सुजुकी शोरूम के पास स्थित एक गोदाम में आग लगने की जानकारी मिली। दमकल अधिकारी आर.के. सिन्हा के नेतृत्व में टीम आग बुझाने में जुट गई। दमकल अधिकारी ने बताया कि जिस गोदाम में आग लगी वह दो मंजिला बना हुआ है। भूतल करीब सात सौ गज में है, जबकि ऊपर की मंजिल तीन सौ गज में बनी हुई है। दमकल अधिकारी के अनुसार, भूतल पर गोदाम में ट्रांसपोर्ट का काम होता है, जबकि पहली व दूसरी मंजिल पर टिफिन का गोदाम बना हुआ है। प्लास्टिक व रबड़ होने के कारण आग तेजी से फैली। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

गलत स्पेलिंग से पकड़ा गया

दिल्ली ष्टरूके नाम लेटर देकर करवाता था लोगों का निजी अस्पताल में फ्री इलाज, रेट 5000

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के कार्यालय के नाम से फर्जी लेटर जारी कर प्राइवेट अस्पतालों में गरीबों का मुफ्त इलाज कराने वाले एक शातिर युवक को उत्तरी जिला की साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बादली, झज्जर, हरियाणा निवासी सोनू (27) के रूप में हुई है। आरोपी दिल्ली नगर निगम में ठेके पर माली का काम करता है।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया है कि जो लोग प्राइवेट अस्पताल में इलाज नहीं करा पाते थे, ऐसे लोगों को वह पांच हजार रुपये लेकर ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में इलाज करा देता था। इसके लिए वह बकायदा अस्पताल के नाम सीएम कार्यालय की ओर से एक फर्जी लेटर जारी कर मरीजों को देता था। बाद में वह बलबीर सिंह राठी बनकर अस्पताल को कॉल भी करता था।

पकड़े गए आरोपी के पास वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन, दो सिमकार्ड, सीएम कार्यालय का असली लेटर, एक बैग, जिसमें सीएम ऑफिस के अलावा कई और फर्जी लेटर, दिल्ली नगर निगम का फर्जी आईडी, हरियाणा सरकार की फर्जी आईडी और फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक बरामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

महाराजा अग्रसेन अस्पताल के ईमेल के बाद हुआ खुलासा...

उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि पिछले दिनों सीएम के ओएसडी एससी वशिष्ठ ने सिविल लाइंस थाने में एक शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि महाराजा अग्रसेन अस्पताल की ओर से एक लेटर की जांच के लिए ईमेल प्राप्त हुआ। लेटर सीएम कार्यालय की ओर से अनिल अग्रवाल, ऑफिसर इंचार्ज के नाम से जारी हुआ था। लेटर में अस्पताल को आदेश दिया गया था कि श्याम शंकर नामक मरीज का ईडब्ल्यूएस कोटे से मुफ्त में इलाज किया जाए। अस्पताल ने बताया कि उनके पास किसी बलबीर सिंह राठी नामक अधिकारी के नाम से कॉल भी आया था। लेटर में स्पेलिंग की गलतियों के अलावा उसको ठीक से टाइप भी नहीं किया गया था।

सीएम कार्यालय में जो टाइपिंग का फोंड इस्तेमाल होता है, वह उससे भी मेल नहीं खा रहा था। लेटर पर हस्ताक्षर भी नकली थे। सीएम कार्यालय ने लेटर की जांच की तो वह फर्जी निकला। शिकायत मिलने के बाद सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी। मामले की जांच के लिए कई टीमों का गठन कर दिया।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी... मामले की छानबीन के लिए पुलिस ने सबसे पहले मरीज श्याम शंकर से लेटर के संबंध में पूछताछ की। श्याम ने बताया कि लेटर उसकी पत्नी अंजु किसी सोनू नामक व्यक्ति से लेकर आई है। सोनू के मोबाइल फोन की सीडीआर निकलवाई गई। जांच में पता चला कि मोबाइल सोनू के नाम से रजिस्टर्ड है, उसके आधार पर आरोपी का एक और नंबर मिला। दोनों मोबाइल पर बादली, झज्जर का पता मिला। मोबाइल की लोकेशन की पड़ताल की गई तो पता चला कि वह करोल बाग स्थित एमसीडी के दफ्तर में एक्टिव है। 29 अक्तूबर को टीम ने वहां छापेमारी, लेकिन आरोपी वहां से निकलने में कामयाब हो गया। दफ्तर से आरोपी का एक बैग व फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक बरामद हुई।

आरोपी के बैग में एमसीडी का आईकार्ड, सीएम दफ्तर के फर्जी लेटर और अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस ने उनको कब्जे में लिया। बाद में टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर आरोपी सोनू को 30 अक्तूबर को डबल स्टोरी, टैगोर गार्डन, दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद हो गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया।

दफ्तर में मिला था सीएम कार्यालय का असली लेटर, वहीं से आया आइडिया... एमसीडी में ठेकेदार के पास माली का काम करने के दौरान कुछ माह सोनू को सीएम कार्यालय का एक लेटर मिला था। यहीं से उसके दिमाग में आइडिया आया और उसने योजना बना ली। उसने सीएम का फर्जी लेटर बनवा लिए। इसके बाद उसने गरीब मरीजों को प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराने की योजना बना ली। वह प्राइवेट अस्पताल के आसपास घूमकर अपना शिकार ढूंढता। बाद में वह पांच हजार रुपये में ईडब्ल्यूएस कैटेगरी में मुफ्त इलाज कराने के नाम पर सीएम कार्यालय की ओर से फर्जी लेटर गरीबों को थमा देता था। खुद को सीएम कार्यालय का फर्जी अधिकारी बलबीर सिंह राठी बताकर अस्पताल को कॉल भी करता था। आरोपी ने इसी तरह कई लोगों का इलाज भी करवाया।

अमेरिका का कैरेबियन सागर में फिर किया हमला, तीन कथित ड्रग तस्कर ढेर

सितंबर से अब तक 15वीं कार्रवाईसितंबर से अब तक 15वीं कार्रवाई

वेस्ट पाम बीच, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और सैन्य हमला किया है, जिसमें तीन कथित ड्रग तस्कर मारे गए हैं। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को सोशल मीडिया पर इस कार्रवाई की जानकारी दी। हेगसेथ ने बताया कि यह नाव एक ऐसे संगठन से जुड़ी थी जिसे अमेरिका ने पहले ही आतंकवादी घोषित किया हुआ है, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस समूह को निशाना बनाया गया। यह सितंबर की शुरुआत से अब तक अमेरिकी सेना का 15वां हवाई हमला है, जो कैरेबियन सागर या पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में ड्रग तस्करों पर किया गया है।

अब तक 64 लोगों की मौत : उन्होंने अपने बयान में कहा यह नाव हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल थी और एक ऐसे मार्ग से गुजर रही थी, जो ड्रग तस्करी के लिए कुख्यात है। इस पर बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ मौजूद थे। अब तक इन अभियानों में कम से कम 64 लोगों की मौत हो चुकी है।

ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को जायज ठहराते हुए कहा है कि यह कदम अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति रोकने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब ड्रग कार्टेल्स के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष में है- ठीक उसी कानूनी अधिकार के तहत, जो 9/11 के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध के लिए इस्तेमाल किया गया था। इन हमलों के बीच ट्रंप प्रशासन ने क्षेत्र में युद्धपोतों की संख्या बढ़ा दी है, जिससे यह अभियान और भी तीव्र हो गया है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने की हमले की निंदा: इस बीच, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिकी कार्रवाइयों की निंदा करते हुए कहा है कि यह सैन्य अभियान उनके शासन को अस्थिर करने का एक छिपा हुआ प्रयास है। हालांकि, अब तक ट्रंप प्रशासन यह साबित नहीं कर पाया है कि जिन नावों को निशाना बनाया गया, वे वास्तव में ड्रग कार्टेल से जुड़ी थीं या मारे गए लोगों की पहचान क्या थी।

अमेरिकी राजनीति में विवाद: ट्रंप प्रशासन के इस अभियान को लेकर अमेरिका के भीतर भी विरोध बढ़ा है। डेमोक्रेटिक सांसदों ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति ट्रंप बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। सीनेट की सशस्त्र बल समिति के सदस्य रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि इस तरह से सैन्य क्षेत्र का विस्तार करना लापरवाही है। यह अमेरिकी सेना का राजनीतिक इस्तेमाल है। हालांकि, ट्रंप ने साफ कहा कि हम युद्ध की घोषणा नहीं कर रहे। जो लोग हमारे देश में ड्रग्स ला रहे हैं, हम उन्हें खत्म कर देंगे।

रिपब्लिकन बहुमत वाली सीनेट ने हाल ही में डेमोक्रेट्स के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें राष्ट्रपति को भविष्य की किसी भी सैन्य कार्रवाई से पहले कांग्रेस की अनुमति लेने की आवश्यकता बताई गई थी। ट्रंप ने ड्रग्स तस्करों को अवैध लड़ाके घोषित करते हुए कहा कि अमेरिका अब उनसे सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में है। जहां शनिवार को एक पारिवारिक विवाद के चलते हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत और कम से कम छह लोग घायल हो गए। यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे के बाद हुई। मृतकों में 39 वर्षीय पुरुष और 56 वर्षीय महिला शामिल हैं। वहीं घायल छह लोगों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जिनमें से दो पुरुष अब अस्पताल में सुरक्षा के स्थानीय मीडिया के अनुसार यह गोलीबारी दो परिवारों के लंबे समय से चले आ रहे विवाद का नया चरण है। विवाद भूमि और घर के स्वामित्व को लेकर पिछले साल फिर से भड़का था।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

कला, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य की पावन भूमि है मध्यप्रदेश : डॉ. गीता भारती

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल के निर्देशानुसार शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मध्यप्रदेश गान तथा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात महाविद्यालय की छात्राओं राखी गुप्ता एवं रेखा गुप्ता ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिवादन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने कहा कि मध्यप्रदेश की 70 वर्ष की यात्रा समर्पण, संकल्प और सतत विकास की यात्रा रही है। हमारा प्रदेश कला, संस्कृति, पर्यटन और जनजातीय विविधता से समृद्ध है। यह भूमि प्राकृतिक सौंदर्य, लोक परंपराओं और मानवीय मूल्यों की अनोखी संगम स्थली है। स्थापना दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने मध्यप्रदेश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को लोकगीतों, लोकनृत्यों और विविध रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया, जिससे पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण में डूब गया।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर बी.एल. सिंह आयाम द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी अधिकारी, प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं विद्यार्थीगण उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे और अपनी सहभागिता से कार्यक्रम को सफल बनाया।

बेमौसम बारिश से धान फसल को नुकसान, कलेक्टर ने तत्काल सर्वे के दिए निर्देश; कहा-लापरवाही पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई असमय वर्षा से धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है। लगातार बारिश के कारण खेतों में खड़ी फसल गिर गई है और कई जगह जलभराव की स्थिति बन गई है।

फसल नुकसान का सर्वेक्षण कराने का आदेश: इस स्थिति को देखते हुए, कलेक्टर गौरव बैनल ने किसानों को राहत पहुंचाने के लिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों को फसल नुकसान का सर्वेक्षण कराने का आदेश दिया है। कलेक्टर के निर्देशानुसार, राजस्व एवं कृषि विभाग के संयुक्त दल अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वेक्षण करेंगे। इसमें प्रत्येक पटवारी हल्के में फसल की वास्तविक स्थिति, क्षति का प्रतिशत, प्रभावित क्षेत्रफल और मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन किया जाएगा। सर्वेक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, स्थल निरीक्षण के दौरान ली गई फोटो और वीडियो को साक्ष्य के रूप में प्रतिवेदन का हिस्सा बनाया जाएगा।

लापरवाही बरतने पर होगी कार्रवाई: श्री बैनल ने अधिकारियों को स्पष्ट, प्रमाणिक और समयबद्ध संयुक्त प्रतिवेदन तैयार कर जल्द से जल्द जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा है। इसका उद्देश्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान करना है। इस पहल से उम्मीद है कि किसानों को समय पर मुआवजा मिलेगा, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और वे आगामी रबी फसल की तैयारी कर सकेंगे।

अब कोदो-कुटकी की समर्थन मूल्य पर होगी खरीदी, समर्थन मूल्य के साथ मिलेगा 1000 रूपये प्रति क्विंटल बोनस भी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि राज्य शासन द्वारा पहली बार कोदो और कुटकी फसलों का उपार्जन न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करने की नीति लागू की गई है। यह निर्णय कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों के हित में लिया गया एक ऐतिहासिक कदम है। इन फसलों के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 10 अक्टूबर से प्रारंभ किया गया था, जिसकी अंतिम तिथि अब बढ़ाकर 09 नवंबर कर दी गई है। अत: जिले के किसान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पंजीयन अवश्य कराएं, ताकि उन्हें शासन द्वारा घोषित समर्थन मूल्य का लाभ प्राप्त हो सके।

उप संचालक कृषि ने बताया कि शासन द्वारा कोदो का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2500 रूपये प्रति क्विंटल तथा कुटकी का 3500 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त किसानों को दोनों फसलों पर 1000 रूपये प्रति क्विंटल बोनस भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने की अपील करते हुए कहा कि यह योजना कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

किसानों की सुविधा के लिए जिले के विभिन्न विकासखण्डों में पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए हैं। विकासखण्ड सीधी में गांधीग्राम एवं चौफाल कोठार, विकासखण्ड रामपुर नैकिन में कुडिया, बघवार तथा कंधवार, विकासखण्ड मझौली में ताला एवं मझौली, विकासखण्ड सिहावल में अमिलिया एवं बघोर तथा विकासखण्ड कुसमी में टमसार पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं।

9 से 18 वर्ष के बच्चों में दिव्यांगता की पहचान हेतु 14 नवम्बर तक होंगे स्क्रीनिंग शिविर

विभिन्न स्थानों पर प्रात: 10 से सायं 4 बजे तक आयोजित किए जाएंगे शिविर

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि जुवेनाइल जस्टिस कमेटी, हाई कोर्ट ऑफ मध्य प्रदेश की अनुशंसा एवं कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार जिले के 9 से 18 वर्ष तक के बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान हेतु 15 सितम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। पूर्व में जारी कार्यक्रम में संशोधन करते हुए अब 03 नवम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक के शिविरों की तिथियां पुनर्निर्धारित की गई हैं।

उन्होंने बताया कि 03 नवम्बर को ग्राम पंचायत भवन पटपरा में शिविर आयोजित होगा, जिसमें बघमरिया, बढ़ौना, बरिगवां नं.1, हिनौती नं.1, कमर्जी, करूईखाड़, कोल्हूडीह, पड़रिया कला, पटोहा, पटपरा, सलैया, उकरहा, बघउ, चिलरीकला,मधुगवां उत्तर, मवई, टीकटकला एवं टीकटखुर्द ग्राम सम्मिलित रहेंगे। 06 नवम्बर को ग्राम पंचायत भवन खाम्ह में शिविर होगा, जिसमें बरहाई, बरमानी, भगोहर, चौफाल, कोठार, चौफाल पवई, छवारी, करवाही, खाम्ह, माटा, सलैहा, सरेठी एवं उड़ैसा क्षेत्र सम्मिलित किए गए हैं। 07 नवम्बर को ग्राम पंचायत भवन हड़बड़ो में आयोजित शिविर में बमुरी, भाठा, छुहिया, हड़बड़ो, जमुनिहा कला, कठास, कोचिटा, पड़री, सारोकला, सतनरा पवई, सिरसी, तेगवा, बैरिहा पूर्व, बरमबाबा, डोलकोठार, गांधीग्राम, कारीमाटी, कठौली, कोचिला, नेबुहा पश्चिम, पड़खुरी नं.1 एवं सेंदूरा क्षेत्र शामिल होंगे। 08 नवम्बर को जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन पोस्ता में शिविर होगा, जिसमें अमिलहा, बेलदह, बोकारो, चंदरेह, गोरदह, गुजरेड, हनुमानगढ़, झगरी, खैरा एवं पोस्ता सम्मिलित होंगे। 10 नवम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुर नैकिन (नगर परिषद रामपुर नैकिन) में शिविर आयोजित होगा, जिसमें नगर परिषद क्षेत्र के समस्त वार्डों के साथ-साथ अगडाल, डिठौरा, घटोखर, घुघुटा, झांझ, झाला, कंधवार, कुड़िया, मढ़, तितिरा शुक्लान, गोपालपुर, कटौली, पटेहरा, बघवार, मउ, नैकिन एवं रघुनाथपुर सम्मिलित रहेंगे।

13 नवम्बर को जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत भवन चकड़ोर में शिविर अमौरा, मोहनी, पैपखरा, रतवार, रिमारी, अहिरानटोला, चकडोर, धनहा, इटहा, करौदिया, कठार, कुशमहर, मनकीसर, सतोहरी एवं उमरिहा ग्राम सम्मिलित हैं। 14 नवम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चुरहट में अंतिम शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें नगर परिषद चुरहट के समस्त वार्डों के साथ कुंआ, अमरपुर, साडा, टकटैया, चंदैनिया, भेलकी, मोहनिया, बूसी, बडोखर, बड़खरा 740, बडखरा 734, कोष्टा कोठार, झलवार, ममदर, अकौरी, डढ़िया, दुअरा, हर्दिहा पवाई, कपुरी बेदौलिहान, मडवा, नौगवा, पचोखर, पड़खुरी 586 एवं पोडी क्षेत्र सम्मिलित किए गए हैं।

हाईवे निर्माण के लिए सांसद ने किया हवन, बोले- ठेकेदारों की लापरवाही; टेंडर प्रक्रिया में समस्याएं आ रहीं, इन्हें दूर करने प्रार्थना की

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-39 के निर्माण में लगातार आ रही रुकावटों के बीच सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने मुख्य सड़क पर 'बाधा-निवारण हवन' किया। इस दौरान उनके साथ राज्य मंत्री राधा सिंह और भाजपा के अन्य नेता भी मौजूद रहे। यह वीडियो रविवार को सामने आया, जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, हवन कब किया गया, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। हालांकि, बताया जा रहा है कि सांसद डॉ. मिश्रा बाबा भीमराव अंबेडकर जयंती के बाद चल रहे 'रन फॉर यूनिटी' और सीधी-सिंगरौली पदयात्रा के दौरान इस मार्ग से गुजरते हुए यह अनुष्ठान किया।

हाईवे निर्माण में बाधाएं दूर करने किया हवन: सांसद डॉ. मिश्रा ने कहा कि एनएच-39 के निर्माण में ठेकेदारों की लापरवाही, कार्रवाई और टेंडर प्रक्रिया में लगातार समस्याएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि यह हवन इन बाधाओं को दूर करने और सड़क का निर्माण जल्द पूरा करने के उद्देश्य से किया गया है। हवन का वीडियो सामने आते ही विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधा। शिवसेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे ने कहा कि जब केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार है और फिर भी सड़क नहीं बन पा रही, तो हवन करना शर्मनाक है।

बारिश से फसल खराब, शिवराज सर्वे कराकर मुआवजा दें : लीला साहू

सीधी। जिले के कई गांवों में बारिश से खेतों में खड़ी धान की फसल पानी में डूबकर सड़ने लगी है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू ने किसानों की आवाज उठाते हुए केंद्र सरकार से गुहार लगाई है। ग्राम खड्डी निवासी लीला साहू ने 2 नवंबर को एक वीडियो जारी किया। इसमें उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को सीधे संबोधित करते हुए कहा कि अब मध्य प्रदेश के किसानों पर दया दिखाएं। उन्होंने बताया कि बारिश ने धान की पूरी फसल तबाह कर दी है, खेतों में पानी भरा है और धान सड़ने लगी है।

लीला साहू ने फसल का सर्वे कराने की मांग की: लीला साहू ने मांग की है कि तुरंत कलेक्टर और पटवारी भेजकर फसल का सर्वे कराया जाए और किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

यूनियन बैंक ऑफइंडिया ने सामाजिक न्याय विभाग को भेंट की 15 कुर्सियां

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने जानकारी देकर बताया कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय सीधी को यूनियन बैंक ऑफइंडिया के सौजन्य से अवध बिहारी चौधरी प्रबंधक जिला अग्रणी बैंक द्वारा विधवा, वृद्धजन एवं दिव्यांगजनों की बैठक सुविधा हेतु 15 कुर्सियां प्रदान की गईं। विभाग में प्रतिदिन 25 से 30 विधवा, वृद्धजन एवं दिव्यांगजन अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु आते हैं परंतु बैठने की पर्याप्त व्यवस्था न होने से उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता था।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कुर्सियां प्रदान किए जाने से अब हितग्राहियों को बैठने हेतु सुविधाजनक व्यवस्था उपलब्ध हो गई है। सामाजिक न्याय विभाग एवं दिव्यांगजनों ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया तथा अवध बिहारी चौधरी प्रबंधक लीड बैंक सीधी के प्रति आभार व्यक्त किया है। कुर्सी वितरण के अवसर पर धनंजय मिश्रा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग सीधी तथा विभागीय स्टाफ उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय मड़वास में मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

मध्यप्रदेश की गौरवशाली विरासत, विषय पर विचार गोष्ठी एवं क्विज प्रतियोगिता संपन्न

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में त्रिदिवसीय मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत हर्षोल्लास के साथ की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन, मध्यप्रदेश गान एवं वंदेमातरम के सामूहिक गायन से हुआ।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश की गौरवशाली विरासत विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी श्री के.के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मध्यप्रदेश की प्रगति और समृद्धि में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सभी की सामूहिक है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिक्षक धीरज नामदेव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आई.पी. प्रजापति ने की। संचालन कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. निशा सिंह द्वारा किया गया। स्थापना दिवस समारोह के प्रथम दिवस के संयोजक डॉ. सुरेन्द्र गुप्ता रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय में मध्यप्रदेश सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छह छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पुष्पेंद्र गुप्ता ने प्रथम, अंजली सिंह ने द्वितीय तथा साक्षी शुक्ला एवं काजल गुप्ता ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न स्वरूप सिंदूर का पौधा भेंट किया गया तथा समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. रामधारी जायसवाल, डॉ. ज्योति रजक, डॉ. राजेश पटेल, प्रो. बाबा हरिनंद, प्रो. प्रवीण कुमार, अनिल केवट सहित महाविद्यालय के अधिकारी, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जूरी मार्केट में बोलेरो ने स्कूटी के मारी टक्कर, नई गाड़ी के उड़े परखच्च; बाजार जा रहे दो युवक घायल

मीडिया आडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत जूरी मार्केट में देर रात एक सड़क हादसा हुआ। देवउठनी एकादशी के अवसर पर पूजा के बाद बाजार जा रहे नई स्कूटी सवार दो युवकों को तेज रफ्तार बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों में से एक की पहचान 23 वर्षीय राज सिंह पुत्र रमेश सिंह के रूप में हुई है, जो पंजाब सिंह के नाती हैं। दूसरे घायल युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह घटना रात करीब 10 बजे हुई। टक्कर मारने के बाद बोलेरो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों ने राहगीरों की मदद से घायलों को कुसमी अस्पताल पहुंचाया। वहां दोनों को प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर करने की संभावना जताई है।

कुसमी थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर भेजी गई थी। उन्होंने कहा, 'घायलों का इलाज कुसमी अस्पताल में चल रहा है। आवेदन प्राप्त होने पर नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।' पुलिस फरार बोलेरो वाहन की तलाश कर रही है और सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य माध्यमों से उसकी पहचान के प्रयास जारी हैं।

कमिश्नर-आईजी ने माड़ा गुफाओं, इको पार्क का किया निरीक्षण

इन्हें पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर करें फोकस : कमिश्नर

मडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद और आईजी गौरव राजपूत शनिवार को सिंगरौली जिले के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इस दौरान दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने ऐतिहासिक माड़ा गुफाओं और इको एडवेंचर पार्क का निरीक्षण किया। उनके साथ कलेक्टर गौरव बैनल और पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री सहित प्रशासनिक अमला भी मौजूद रहा। कमिश्नर जामोद और आईजी राजपूत ने माड़ा क्षेत्र की सातवीं शताब्दी में निर्मित प्राचीन गुफाओं का अवलोकन किया। उन्होंने वहां संरक्षित शैलचित्रों और पत्थरों को काटकर बनाई गई कलाकृतियों को देखा। अधिकारियों ने इन गुफाओं को ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और इन्हें पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया।

कमिश्नर ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि इस विरासत स्थल की सुंदरता और महत्ता को राष्ट्रीय पटल पर लाने के लिए प्रचार-प्रसार बढ़ाया जाए, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक आकर्षित हो सकें। माड़ा की ये शैलोत्कीर्ण गुफाएं तीन भागों में विभाजित हैं, जिनके मध्य में स्तंभों पर आधारित मंडप और उस पर स्थापित चतुर्मुखी शिवलिंग विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। यह स्मारक मध्यप्रदेश पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित घोषित है। इसके बाद अधिकारियों ने इको एडवेंचर पार्क का निरीक्षण किया और वहां संचालित विभिन्न एडवेंचर गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने त्योहारों और छुट्टियों के दौरान पार्क में बढ़ने वाले पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। साथ ही, पार्क और माड़ा गुफाओं का भ्रमण करने वाले पर्यटकों को ऐतिहासिक जानकारी देने के लिए टूर गाइड नियुक्त करने को भी कहा। निरीक्षण के दौरान राजस्व, वन और पर्यटन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कमिश्नर जामोद ने कहा कि सिंगरौली का यह ऐतिहासिक धरोहर क्षेत्र समन्वित प्रयासों से संरक्षण और विकास कार्य किए जाने पर पर्यटन के नक्शे पर एक नई पहचान बना सकता है।

लोकलुभावन वादों का पुलिंदा बनकर रह गए घोषणा पत्र, रेवड़ियां बांटने पर फोकस

संपादकीय

चुनावों के दौरान दलों के घोषणा पत्र में लोगों की दिलचस्पी होती है, पर उनसे चुनाव जीतना मुश्किल है। घोषणा पत्र अब लुभावने वादों का पुलिंदा हैं, जिन्हें पूरा करना संभव नहीं। कई राज्य सत्ता में आकर भी वादे पूरे नहीं कर पाए, क्योंकि वित्तीय स्थिति ठीक नहीं थी। घोषणा पत्र कानूनी बाध्यता नहीं, इसलिए वादे पूरे करना भी अनिवार्य नहीं। अब ये मुफ्त चीजें बांटने जैसे हैं, जो विकास में बाधक हैं। जनता को चाहिए कि वे दलों से वादों को पूरा करने की क्षमता पर सवाल करें।

चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों की ओर से जारी किए जाने वाले घोषणा पत्रों को लेकर उत्सुकता अवश्य रहती है, लेकिन यह कहना कठिन है कि चुनाव उन्हीं के जरिये जीते-हारे जाते हैं। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि घोषणा पत्रों में किए गए वादों के आधार पर किसी दल को जीत हासिल हुई हो।

इसका कारण यह है कि अब घोषणा पत्र लोकलुभावन वादों का पुलिंदा बनकर रह गए हैं। उनमें ऐसे तमाम आकर्षक वादे होते हैं, जिन्हें राजनीतिक दलों के लिए पूरा करना संभव नहीं होता। हाल के समय में कई राज्यों में यह देखने को मिला है कि राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र के जिन वादों के साथ सत्ता में आए, उन्हें वे पूरा नहीं कर सके। इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि राज्य विशेष की वित्तीय स्थिति ऐसी नहीं थी। कुछ राज्यों में तो यह भी देखने को मिला कि राजनीतिक दलों ने घोषणा पत्र के वादों को आधे-अधूरे ढंग से पूरा किया या फिर उन्हें पूरा करने की घोषणा करने के बाद ठिठक गए। जिस तरह घोषणा पत्र जारी करना कानूनी बाध्यता नहीं है, उसी तरह उनमें किए गए वादों को पूरा करना भी अनिवार्य नहीं है। इसका नतीजा यह है कि अब घोषणा पत्र रेवड़ियां बांटते दिखते हैं। यह ध्यान रहे कि रेवड़ियां वास्तविक विकास में बाधक ही बनती हैं।

बिहार में महागठबंधन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से जारी घोषणा पत्रों में अनेक ऐसे वादे हैं, जो कुल मिलाकर लोकलुभावन ही हैं। राजनीतिक दल घोषणा पत्रों में लोगों को लुभाने वाले तमाम वादे तो कर देते हैं, लेकिन यह नहीं बता पाते कि उन्हें पूरा कैसे किया जाएगा इसका एक कारण यह है कि आम जनता घोषणा पत्रों के वादों को लेकर ऐसे सवाल कभी नहीं पूछती कि क्या राज्य की वित्तीय स्थिति उन्हें पूरा करने की सामर्थ्य रखती है जिस दिन जनता यह जानने की कोशिश करने लगेगी, घोषणा पत्र गंभीरता के साथ तैयार किए जाने लगेंगे। जनता की ओर से राजनीतिक दलों को इसके लिए बाध्य किया जाना चाहिए कि वे जनहित से जुड़े वास्तविक मुद्दों को लेकर चुनाव मैदान में उतरें। दुर्भाग्य से ऐसा इसलिए नहीं हो पाता, क्योंकि वोट अभी भी जाति, संप्रदाय, क्षेत्र या फिर रेवड़ियों के आधार पर पड़ते हैं।

जजो की नई पौध के माली बन गए है वीके माहेश्वरी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

गुरु जी प्रणाम, आपके द्वारा मुझ में जो सुधार हुआ है, आज वो मुझे एहसास करा रहा है कि मेरा आपके पास जाकर ज्ञानार्जन करना अति उत्तम विचार था । आपके माध्यम से जो मुझ मे क़ानून के ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान मे वृद्धि हई है ,उससे मेरे जीवन की दशा व दिशा दोनों ही बदल गई है।अब मेरे सोचने की क्षमता मेरे साथ के लोगो से कई प्रकार भिन्न है ।

मेरे जीवन और मेरे व्यवहार के सभी परिवर्तन आपके कारण है जिस कारण अब मैं बहुत खुश हूँ और भगवान व आपका का धन्यवाद करता हूँ। ऐसे न जाने कितने पत्र न्यायविद वीके माहेश्वरी के पास हर रोज़ आते है,ये वे प्रतियोगी अभ्यर्थी है,जिन्होंने माहेश्वरी जी के निर्देशन में ज्यूडिशयरी परीक्षाओं की तैयारी कर सफलता के मुकाम को हासिल किया है।

उत्तर प्रदेश में सहारनपुर जिले के कलसिया गांव में 15 मार्च 1949 को जन्मे वी.के. माहेश्वरी एक ऐसे न्यायाधीश रहे है ,जो प्राकृतिक न्याय के पक्षधर होने के साथ ही एक संवेदनशील इंसान भी है।सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने घर मे बैठकर आराम करने के बजाए उन बच्चों को मार्गदर्शन देने का कार्य शुरू किया हुआ है, जो जज बनने के अपने सपनो को साकार करना चाहते है।प्राथमिक व माध्यमिक पढाई अपने क्षेत्र से करने के बाद उन्होंने बी.एससी. सहारनपुर से की और फिर सन 1972 में एल.एल.बी. किया। तदुपरांत वे सहारनपुर में वकालत करने लगे।वकालत के 3 साल बाद ही सन 1975 में वे उत्तर प्रदेश से पीसीएस (जे) के लिए चयनित हुए और अपने बैच में प्रदेश भर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।एक न्यायाधीश के रूप में वीके माहेश्वरी ने मुरादाबाद, फरुखाबाद, मैनपुरी, रुड़की, बरेली, देहरादून, कानपुर और नैनीताल जिलों में न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिविल जज से लेकर न्यायिक अधिकारी के रूप में विभिन्न पदों पर कार्य किया।

3 मार्च सन 2003 को उन्हें जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया और उन्हें जिला चमोली में तैनात किया गया। 29 जून सन 2004 को वे उत्तराखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल के रूप में नियुक्त हुए। 31 मार्च सन 2009 को सेवानिवृत्त होने के बाद भी वीके माहेश्वरी उत्तराखंड पब्लिक सर्विस ट्रिब्यूनल के उपाध्यक्ष भी रहे है।विभिन्न सामाजिक विषयों पर जनचेतना के लिए कलम चलाने वाले वीके माहेश्वरी की गिनती ईमानदार जजो में रही है।76 वर्ष की उम्र में भी विधि व्यवसाय में आई नई पीढ़ी को वे अपना अनुभव बांट रहे है और न्यायिक सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराकर देशभर में नए जज बनाने में सहयोगी सिद्ध हो रहे है।उनके मार्गदर्शन में प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल रहे अनेक ऐसे न्यायिक अधिकारी बने है,जो वीके माहेश्वरी को अपने गुरु के रूप में सम्मान देते है।बेहद साधारण और विन्रम भाव के धनी वीके माहेश्वरी की गिनती उन जजो में रही है जो समाज के लिए एक आईना बन गए है।तभी तो आज भी उनके प्रति हर किसी के मन मे सम्मान का भाव स्वतः आ जाता है।उम्मीद है उनके पढाये नए जज भी उन्हें आत्मसात कर न्याय के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरश : पालन किया है, यह बड़ा सवाल है।

घोषणा-पत्रः लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा

ललित गर्ग

वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं। लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

जनस्वास्थ्य बनाम मुनाफ़ाः भ्रामक औषधि प्रचार का बढ़ता जाल

भारतीय समाज में स्वास्थ्य केवल व्यक्ति के अस्तित्व का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों का भी प्रश्न है। संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित 'जीवन के अधिकार' में स्वास्थ्य का अधिकार निहित है। किंतु जब औषधियों के नाम पर फैलाए जाने वाले झूठे विज्ञापन जनमानस को भ्रमित करते हैं, तब यह अधिकार संकट में पड़ जाता है।

डॉ सत्यवान सौरभ

सन् 1954 में पारित औषधि तथा चमत्कारिक उपचार (आक्षेपणीय विज्ञापन) अधिनियम अर्थात् (डीएमआरए) का उद्देश्य ऐसे विज्ञापनों पर नियंत्रण था जो गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, मधुमेह, बांझपन अथवा मानसिक रोगों के उपचार का झूठा दावा करते हैं। परंतु इंटरनेट तथा सोशल मीडिया के आगमन ने इस कानून की शक्ति को लगभग निष्प्रभावी बना दिया है। आज यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और गूगल जैसे मंचों पर आयुर्वेद से कैंसर का इलाज, 30 दिन में डायबिटीज खत्म, अथवा डॉक्टर ङ्क की हर्बल दवा से चमत्कारी उपचार जैसे संदेशों की भरमार है। इन विज्ञापनों के पीछे कोई चिकित्सकीय प्रमाण नहीं होता, फिर भी लाखों लोग इन्हें देखकर प्रभावित होते हैं। यह स्थिति केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक संकट भी है।

डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे अपने एल्गोरिद्म के माध्यम से वही सामग्री बढ़ावा देते हैं जो अधिक क्लिक अथवा लोकप्रियता लाती है। अर्थात् जो जितना सनसनीखेज़ अथवा चमत्कारी दिखता है, वही शीर्ष पर पहुँचता है। परिणामस्वरूप झूठे चिकित्सीय दावे और तीव्रता से फैलते हैं। कंपनियाँ इस प्रक्रिया से भारी आय अर्जित करती हैं, परंतु जिम्मेदारी से बचने हेतु स्वयं को मात्र मध्यस्थ घोषित करती हैं।

'मध्यस्थ प्रतिरक्षा' की अवधारणा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अंतर्गत दी गई थी ताकि सोशल मीडिया अथवा खोज इंजन पर डाली गई सामग्री के लिए उन्हें दायित्व से मुक्त रखा जा सके। परंतु अब यही प्रावधान उन प्लेटफ़ॉर्मों के लिए सुरक्षा कवच बन गया है जो सीधे विज्ञापन प्रसारित करते हैं और उससे लाभ कमाते हैं। जब कोई विज्ञापन प्रायोजित अथवा भुगतान किया गया होता है, तब प्लेटफ़ॉर्म को मात्र मध्यस्थ नहीं माना जा सकता।

भारत में डीएमआरए की प्रवर्तन प्रणाली अत्यंत कमजोर है। इस अधिनियम के तहत दंड के प्रावधान हैं, परंतु न तो कोई विशेष निगरानी संस्था है और न ही डिजिटल विज्ञापनों की जाँच के लिए तकनीकी तंत्र। फलस्वरूप, उल्लंघनकर्ता आसानी से बच निकलते हैं। अनेक बार जब कोई शिकायत दर्ज होती है, तब तक वह विज्ञापन हटाकर नया अभियान आरंभ कर दिया जाता है। इसके विपरीत अमेरिका, यूरोप तथा ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में डिजिटल स्वास्थ्य विज्ञापनों पर कठोर नियंत्रण है। वहाँ कंपनियों को हर विज्ञापन की सत्यता का प्रमाण देना पड़ता है। उदाहरण के लिए, अमेरिकी खाद्य तथा औषधि प्रशासन (एफडीए) बिना अनुमति वाले चिकित्सीय दावों पर त्वरित कार्रवाई करता है। वहीं भारत में वही कंपनियाँ गौमूत्र से कैंसर ठीक अथवा एक कैप्सूल में सौ रोगों का अंत जैसे विज्ञापन निःसंकोच प्रसारित करती हैं। यह दोहरा नियामक दृष्टिकोण भारतीय उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है।

सीमापार डिजिटल मीडिया ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अधिकांश बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियाँ भारत में कार्य करती हैं, परंतु उनका मुख्यालय विदेश में है। भारत में दिखने वाले विज्ञापनों का संचालन विदेश से होता है। जब कोई नियामक संस्था कार्रवाई करना चाहती है, तब क्षेत्राधिकार की दीवारें आ खड़ी होती हैं। भारत में इन कंपनियों की सहायक इकाइयाँ कहती हैं कि वे केवल विपणन एजेंट हैं, नीति निर्धारण में उनकी कोई भूमिका नहीं। इससे कानूनी जवाबदेही लगभग असंभव हो जाती है।

एल्गोरिद्मिक लक्ष्य निर्धारण भी एक बड़ी समस्या है। विज्ञापन अब स्थिर नहीं रहते – वे उपयोगकर्ता की रुचि, खोज इतिहास और स्थान के आधार पर बदलते रहते हैं। इससे निगरानी, साक्ष्य एकत्रण तथा दंड प्रक्रिया और कठिन हो जाती है। कोई वीडियो अथवा पोस्ट कुछ ही घंटों में गायब हो सकता है, जिससे अपराध सिद्ध करना कठिन हो जाता है। भारत में कुछ सकारात्मक प्रयास अवश्य हुए हैं। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने 2022 में भ्रामक विज्ञापनों पर दिशानिर्देश जारी किए हैं तथा प्रसिद्ध व्यक्तियों एवं प्रभावशाली प्रचारकों को भी उत्तरदायी ठहराया है। आयुष मंत्रालय ने भी डीएमआरए के अंतर्गत कड़ी कार्रवाई की माँग की है। किंतु यह सभी कदम अभी भी सीमित और प्रतिक्रियात्मक हैं। यदि भारत को जनता के स्वास्थ्य अधिकार की रक्षा करनी है, तो डिजिटल विज्ञापन नियंत्रण को दृढ़ता से लागू करना होगा। इसके लिए कुछ आवश्यक सुधार निम्नलिखित हैं:

- पहला, डिजिटल प्लेटफ़ॉर्मों को मात्र मध्यस्थ नहीं, बल्कि प्रकाशक के रूप में परिभाषित किया जाए ताकि वे प्रसारित विज्ञापनों की सामग्री के लिए कानूनी रूप से उत्तरदायी हों।
- दूसरा, डीएमआरए उल्लंघन को 'गंभीर अपराध' की श्रेणी में लाया जाए और इसके तहत कठोर दंडात्मक प्रावधान लागू किए जाएँ।
- तीसरा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वचालित निगरानी तंत्र विकसित किया जाए जो प्रतिबंधित दावों वाले शब्दों अथवा चित्रों को स्वतः पहचानकर रोक सके।
- चौथा, सीमापार दायित्व सुनिश्चित करने हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग का ढाँचा बनाया जाए ताकि भारत में प्रसारित विज्ञापनों के लिए विदेशी कंपनियों को भी जिम्मेदार ठहराया जा सके।
- पाँचवाँ, जन-जागरूकता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। जब तक नागरिक स्वयं झूठे विज्ञापनों की पहचान नहीं करेंगे, तब तक कोई कानून प्रभावी नहीं हो सकता।

डिजिटल युग में औषधि विज्ञापन केवल व्यापार नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का प्रश्न है। भारत को प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि दायित्व-आधारित दृष्टिकोण अपनाना होगा। बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लाभ से ऊपर जनता के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना ही संविधान प्रदत्त 'स्वास्थ्य के अधिकार' की सच्ची रक्षा होगी।

जमीन व परिवार के स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए प्राकृतिक खेती अपनाएं: उप मुख्यमंत्री

उप मुख्यमंत्री ने पाँच दिवसीय प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बसामन मामा गौवंश वन्य विहार जिले का सबसे बड़ा गौ संरक्षण केंद्र है जहां हजारों की संख्या में गौवंश संरक्षित हैं। अब बसामन मामा गौवंश वन्य विहार प्राकृतिक खेती का शोध व प्रशिक्षण केंद्र भी बन गया है जहां किसान प्राकृतिक खेती के गुण सीख रहे हैं। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने प्राकृतिक खेती के संबंध में किसानों को दिए जाने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जमीन व परिवार के स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए प्राकृतिक खेती आवश्यक है। विकसित भारत व विश्वगुरु भारत का सपना तभी पूर्ण होगा जब स्वस्थ भारत होगा। उन्होंने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य बिहार की ढाई एकड़ जमीन आर्ट ऑफ लिविंग के प्राकृतिक खेती करने वाले प्रशिक्षकों को उपलब्ध कराई गई है जहां वह किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देकर उस जमीन में प्राकृतिक खेती से फसल उपजाकर किसानों को के सामने प्रस्तुत करेंगे। किसान प्रशिक्षण प्राप्त कर इसे अपनाएं। श्री शुक्ल ने कहा कि किसानों को अपने पास उपलब्ध भूमि में से कुछ भाग में प्राकृतिक खेती करनी चाहिए ताकि यह चर्चा बने कि रीवा जिले के किसान प्राकृतिक खेती से जुड़ गए हैं और प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में रीवा देश में अग्रणी जिला बने। श्री शुक्ल ने कहा कि आगामी दिसंबर माह में वृहद किसान सम्मेलन का आयोजन बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में होगा जहां प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण का प्रचार-प्रसार भी करें ताकि अन्य किसान भी इससे प्रेरणा ले सकें। उन्होंने बताया कि मैंने स्वयं भी अपनी पैतृक भूमि के पाँच एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक खेती की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि रासायनिक के उपयोग से जमीन काफी कठोर हो गई है। यदि समय पर हम सचेत नहीं हुए तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। इसलिए आवश्यक है कि प्राकृतिक खेती की तरफ लौटा जाए। उन्होंने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग रविशंकर जी के संस्थान को देश में प्राकृतिक खेती के बेहतर प्रशिक्षक के तौर पर जाना जाता है। इस अवसर पर स्टेट क्वार्डिनेटर आर्ट ऑफ लिविंग प्रशिक्षण केंद्र के श्री संजय त्रिवेदी ने किसानों को प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण व लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन दिन तक प्रशिक्षण में किसानों को इसके विषय में बताया जाएगा। तदुपरांत दो दिन खेत में किसानों को जानकारी दी जाएगी। मनोज शर्मा ने भी प्राकृतिक खेती के गुण व प्रशिक्षण के संबंध में बताया। इस अवसर पर अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, पूर्व संयुक्त संचालक पशुपालन विभाग डॉ. राजेश मिश्रा, अमित अभय रामदास, एसडीएम दृष्टि जायसवाल, उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. डीपी सिंह, राजेश यादव, केके गर्ग, सीईओ जनपद हरिश्चंद्र द्विवेदी, चंद्रशेखर बघेल, हिमांशु भट्ट, अक्षय, भारती बघेल, अम्बरीश खंडेलवाल, सहित कृषि, आत्मा परियोजना व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी, ग्राम सुधार समिति एवं गोफार्म समिति के सदस्य व कृषक उपस्थित रहे।

बेला बायपास पर संदिग्ध हालात में युवक की मौत, गड्ढे से बाइक उछलने पर सिर में लगी चोट; परिजन बोले- बदहाल सड़क जिम्मेदार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चोरहटा में रविवार को हाईवे पर एक युवक की लाश मिली है। चोरहटा निवासी अंकित साकेत बेला स्थित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे, तभी बेला बायपास पर संदिग्ध हालात में उनकी मौत हो गई। घटना शनिवार देर रात की है। युवक को संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रथम दृष्टया इसे सड़क हादसा माना जा रहा है।

गड्ढे से बाइक उछलने से सिर में आई चोट: मृतक की पहचान चोरहटा निवासी अंकित साकेत के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि सड़क पर गड्ढे से बाइक उछलने के कारण अंकित गिर गए, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। हालांकि युवक के शरीर पर बाहरी गंभीर चोट नहीं दिखी, लेकिन उसे अंदरूनी चोट पहुंचने की बात सामने आई है।

परिजनों ने सड़क को ठहराया जिम्मेदार: युवक का शव मर्चुरी में रखा गया है। परिजनों ने सड़क की बदहाल स्थिति को हादसे का जिम्मेदार ठहराया है।

पीएम रिपोर्ट और घटनास्थल की जांच जारी: फिलहाल पुलिस पीएम रिपोर्ट और घटनास्थल की जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी है और कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सजग रहेगा प्रशासन, बनाई गई डिस्ट्रिक टास्क फोर्स: अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देवउठनी एकादशी से शुरू होने वाले शादी-विवाह के मौसम के मद्देनज़र जिले में बाल विवाह के खिलाफ मुहिम चला रहे गैर-सरकारी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी एवं समग्र जन चेतना विकाश परिषद ने जिला प्रशासन व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) से बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सख्त निगरानी और अत्यधिक सतर्कता बरतने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर द्वारा महिला एवं बाल विकास, पुलिस एवं अन्य संबंधी विभागों की बैठक बुलाई एवं जिला कार्य बाल इकाई का गठन भी किया है। उक्त जानकारी साझा करते हुए प्रशाशन द्वारा उठाए गए कदम की सहराना करी है । साथ जिला एवं स्थानीय प्रशासन के साथ मिल कर बाल विवाह को जड़ से खत्म करने प्रयास में शामिल होने की बात कही है।

संगठन ने जिला प्रशासन को भेजी गई चिट्ठी में बाल विवाहों की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए कड़ी चौकसी की अपील की है ताकि ऐसी कोई भी घटना प्रशासन की जानकारी से ओझल न रह सके और तत्काल कार्रवाई की जा सके। साथ ही, जन-जन तक यह संदेश पहुँचाना आवश्यक है कि यदि किसी भी व्यक्ति के पास किसी संभावित बाल विवाह की जानकारी है तो वह तत्काल पुलिस हेल्पलाइन (112), चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) या स्थानीय थाने को सूचित करे ताकि इस अपराध को रोका जा सके।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी बाल विवाह के खात्मे के लिए छत्रष्ट के राष्ट्रव्यापी अभियान 'चाइल्ड मैरेज फ्री इंडिया' के तहत जिले को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए कार्य कर रहा है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए गैर-सरकारी संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक है। पिछले कुछ वर्षों से यह नेटवर्क अपने समग्र थ्री-पी मॉडल - प्रोटेक्शन (संरक्षण), प्रिवेंशन (रोकथाम) और प्रॉसिक्यूशन (कानूनी कार्रवाई) के माध्यम से 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संगठन ने एक नवंबर से शुरू हो रहे शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन से सरपंचों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और पुलिस को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश देने की अपील की है। इसके साथ ही, संगठन ने आज से ही गांवों और स्कूलों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान को गति देने का फैसला करते हुए धार्मिक नेताओं से भी इस मौके पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है।

नशीली कफ सिरप, टैबलेट के साथ आरोपी गिरफ्तार; कोर्ट ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले की हनुमना पुलिस ने अवैध नशीली दवाओं की बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से नशीली कफ सिरप और टैबलेट बरामद की गई हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ग्राम भुअरी (नया गांव टोल प्लाजा के आगे) में छापा मारा। मौके से हनुमना थाना क्षेत्र के मलैगवा निवासी 30 वर्षीय शैलेन्द्र गुप्ता को गिरफ्तार किया गया।

आरोपी शैलेन्द्र गुप्ता के बैग से 11 शीशी नशीली कफ सिरप, जिसकी अनुमानित कीमत 2,024 रुपए है और 16 पत्ते नशीली टैबलेट दवा, जिसकी कीमत 1,420 रुपए है, बरामद की गईं। पुलिस ने शैलेन्द्र गुप्ता के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 21, 22 और म.प्र. ड्रग कंट्रोल एक्ट की धारा 5/13 के तहत केस दर्ज किया। उसे रविवार शाम न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सरपंच-पूर्व सरपंचों से 37 लाख से अधिक वसूली होगी, रीवा की 62 पंचायतों में भ्रष्टाचार, निर्माण कार्यों में धांधली की; कलेक्टर के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में भ्रष्टाचार में फंसे कई पूर्व सरपंचों और सचिवों पर एक बार फिर कार्रवाई की गई है। इस बार त्योंथर जनपद क्षेत्र की 62 पंचायतों में हुए भ्रष्टाचार की जांच के बाद, तत्कालीन सरपंचों से वसूली की तैयारी शुरू हो गई है। कलेक्टर ने त्योंथर तहसीलदार को पत्र लिखकर संबंधित सरपंचों से 1 करोड़ 37 लाख 35,316 रुपये की वसूली करने का निर्देश दिया है। कलेक्टर ने कहा है कि वसूली कर सप्ताह भर के भीतर प्रतिवेदन (रिपोर्ट) भी प्रस्तुत किया जाए।

5 साल तक चली सुनवाई, धारा 92 के तहत होगी वसूली: पंचायत राज और ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 92 के तहत हुई सुनवाई के बाद संबंधित दोषियों पर जुर्माना लगाया गया है। अलग-अलग 5 समय पर पंचायतों में कराए गए निर्माण कार्यों में हुई अनियमितताओं की जांच के बाद धारा 89 के तहत सुनवाई का अवसर दिया गया था। करीब पांच वर्ष से अधिक समय तक चली सुनवाई के बाद अनियमितता में शामिल होने की पुष्टि हुई है।

कई पंचायतों में एक से अधिक सरपंच शामिल: त्योंथर क्षेत्र की 62 पंचायतों से यह वसूली की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि पंचायतों में हुई अनियमितता में जांच के बाद संबंधित को भी अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाता है। सुनवाई के बाद जहां पर अनियमितता पाई गई है, संबंधित पूर्व सरपंचों से राशि वसूली के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया गया है। कई पंचायतों में एक से अधिक पूर्व सरपंच शामिल हैं। जिस सरपंच के कार्यकाल में जितने का भ्रष्टाचार हुआ, उतनी राशि की वसूली होनी है।

इन पंचायतों से होगी वसूली: कलेक्टर ने वसूली के लिए जिन पंचायतों की सूची सौंपी है, उसमें प्रमुख रूप से कोरांव, गोंद खुर्द, फरहदी, टंगहा, चौखड़ा, मझिगवां, कुठिला, अमांव, डाढा कला, गंगतीरा, पड़िवार, जमुई, गोंद कला, झोटिया, तुर्कागोंदर, परसिया, पनासी, गढ़ी, बरेठी कला, सोहरवा, रेही, रिसदा, खाम्हा, पुरवा मनीराम, अंजोरा, दुआरी, डीह, सूती, नौबस्ता, पटहट, बरुआ, धुदामा, घटेहा, पंक्षा, ढखरा, डोडकिया, चंद्रपुर, कोनिया कला, सरुई, सोहागी, कोटरा कला, देउपा कोठार शामिल हैं।

यात्रियों और बच्चों की सुरक्षा लापरवाही पर, परिवहन विभाग की 57 यात्री एवं स्कूल बसों पर कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए परिवहन विभाग ने कमर कस ली है। जिले में चल रही 57 बसों पर विभाग ने सख्त चालानी कार्रवाई की है, जिसमें अग्निशमन यंत्र (फायर एक्सटिंग्विशर) न लगाने, फर्स्ट एड बॉक्स की अनुपस्थिति और आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा मानकों का पालन न करने के आरोप लगाए गए हैं। यह कार्रवाई न केवल यात्री बसों बल्कि स्कूल बसों पर भी की गई, जो बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से और भी गंभीर मुद्दा उठाती है। परिवहन विभाग ने बताया की बढ़ते सड़क हादसों के मद्देनजर विशेष जांच अभियान चलाया गया है, 'सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हो सकता। बस संचालकों को बार-बार निर्देश दिए जा रहे है , लेकिन बस संचालको के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इन उल्लंघनों के कारण अब तक कुल 57 यात्री बसों एवं स्कूल बसों पर मोटरयान अधिनियम के अनुरूप शमन शुल्क अधिरोपित किया गया। परिवहन विभाग ने आगे कहा कि अगले कुछ दिनों में और सख्ती बरती जाएगी। इस कार्रवाई में शामिल बसें मुख्य रूप से रीवा शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की बसें है। जांच टीम ने पाया कि अधिकांश बसों में फायर एक्सटिंग्विशर की समाप्ति तिथि निकल चुकी थी या वे बिल्कुल ही अनुपस्थित थे। इसी तरह, फर्स्ट एक्सीडेंट बॉक्स में आवश्यक दवाइयां और बैंडेज की कमी पाई गई, जबकि इमरजेंसी एग्जिट के दरवाजे अवरुद्ध या अनलॉक थे। एक स्कूल बस के चालक ने बताया, 'हमारे पास बजट की कमी थी, लेकिन अब हम तुरंत सुधार करेंगे। रीवा के एक अभिभावक ने कहा, 'स्कूल बसों की सुरक्षा बच्चों का पहला हक है। यह कार्रवाई सराहनीय है, लेकिन नियमित चेकअप जरूरी हैं।' परिवहन विभाग ने सभी बस संचालकों को निर्देश जारी किए हैं कि वो सभी सुरक्षा उपकरणों को अपडेट करवाएं, वरना आगे की कार्रवाई और कठोर होगी। यह अभियान राज्य स्तर पर चलाए जा रहे है।

पुलिस ने हत्या के प्रयास के तीन आरोपी पकड़े, लंबे समय से थे फरार; मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी थी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। एसपी दिलीप सोनी के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत नईगढ़ी थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के तीन फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों को शनिवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला: थाना प्रभारी जगदीश सिंह ठाकुर ने बताया कि 18 मार्च 2025 को शंकरपुर निवासी गुड्डू देवी कोरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गांव के राकेश, राजेश, रमेश, अमरजीत और सुनील कोरी ने उनके परिवार के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी थी। इस घटना में लाला कोरी गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें एसजीएमएच रीवा में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों की रिपोर्ट के अनुसार, घायल की चोटें 'मृत्यु संभावित' थीं।

तीन आरोपी थे फरार: मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया था। दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था, जबकि तीन आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। शनिवार, 1 नवंबर 2025 को पुलिस ने फरार आरोपियों राजेश कोरी (35), रमेश कोरी (56) दोनों पिता हीरालाल कोरी, और सुनील कोरी (22) पिता छेदीलाल कोरी, सभी निवासी शंकरपुर, थाना नईगढ़ी, को गिरफ्तार कर लिया।

राष्ट्र निर्माता लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को जाति विशेष में सीमित करने का षड्यंत्र: बुद्धसेन पटेल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सरदार वल्लभभाई पटेल शिक्षा महाविद्यालय, रतहरी, रीवा (म.प्र.) के संचालक मास्टर बुद्धसेन पटेल ने सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को निराला नगर रीवा में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि आज पूरे देश में विभिन्न समूहों द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई। शासन-प्रशासन के सहयोग से विभिन्न जातियों के लोगों ने बड़े पैमाने पर यह जयंती अत्यंत धूमधाम से मनाई। किन्तु, रीवा के सरदार पटेल संस्थान में सरदार पटेल की जयंती को एक जाति विशेष के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया। वहाँ उपस्थित समर्थकों में 99 प्रतिशत कुर्मी समाज के लोग थे, जिससे यह प्रतीत होता है कि सरदार पटेल की राष्ट्रीय एकता अर्थात् खंड-खंड विभाजित भारत को एक सूत्र में बांधकर अखंड भारत के निर्माता की छवि को जाति विशेष में सीमित करने का षड्यंत्र जातीय स्वार्थी तत्वों द्वारा रचा जा रहा है। मैं इस कुत्सित प्रयास की कटु शब्दों में निंदा करता हूँ और यह स्पष्ट चुनौती देता हूँ कि सरदार पटेल किसी जाति विशेष या किसी संगठन की बपौती नहीं हैं। जाति के आधार पर सरदार पटेल की अंतरराष्ट्रीय छवि को सीमित करने वाले षड्यंत्रकारियों का नकली मुखौटा उजागर करने का मेरा दृढ़ निश्चय है। इसके लिए समाज के विभिन्न फिरकों में बँटे हुए लोगों को सही मार्ग दिखाकर एकजुट करने हेतु व्यापक स्तर पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने सेमरिया अस्पताल का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सेमरिया सामुदायिक केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल में प्रतिदिवस होने वाली ओपीडी की जानकारी प्राप्त की। बताया गया कि अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 250 ओपीडी होती है। उप मुख्यमंत्री ने ओपीडी के साथ ही आईडी बनवाकर टेलीमेडिसिन चिकित्सा प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के माध्यम से जिला चिकित्सालय व संजय गांधी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों से मरीजों के संबंध में स्थानीय चिकित्सक उचित मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय में की जाने वाली जांचों के विषय में जानकारी लेते हुए कहा कि अस्पताल में होने वाली जाँच यहाँ कराएं तथा अन्य जाँच के लिए जिला चिकित्सालय भेजें। निजी जाँच केन्द्रों में किसी भी मरीज की जाँच न कराई जाए। उन्होंने संस्थागत प्रसव को बढ़ाने तथा गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर की जाने वाली जाँच की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आशा कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं की जानकारी रखें तथा उनकी जाँच में सहयोग करें। इसके लिए चिकित्सालय के चिकित्सक आशा कार्यकर्ताओं के सतत संपर्क में रहें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल को अस्पताल के वार्डों तथा अन्य कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। निरीक्षण के दौरान शौचालयों में साफ-सफाई न होने पर उप मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त की तथा अपने सामने ही सफाई का कार्य प्रारंभ कराया। उन्होंने हिदायत दी कि अस्पताल में साफ-सफाई व्यवस्थित ढंग से रहे। यह जिम्मेदारी इंचार्ज की है अन्यथा उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए तथा सफाई न रखने वाले सफाई कर्मियों को भी बदला जाए।

दो बच्चों के सिर से छिना माता-पिता का साया : बेटी को भी खोया, एक साथ निकली तीनों की अंतिम यात्रा; काम की तलाश में गए थे राजस्थान

रतलाम, एजेंसी। राजस्थान के फलोदी-बीकानेर नेशनल हाईवे-11 पर शुक्रवार रात हुए हादसे में रतलाम के 3 लोगों की मौत के बाद शव रविवार सुबह गांव आलमपुर ठिकरिया पहुंचे। मृतकों में एक दंपती (जगदीश और पूजा) और एक 12 साल की लड़की टीना शामिल हैं। तीनों की अंतिम यात्रा एक साथ निकली, जिसके बाद गांव के मुक्तिधाम पर उन्हें एक साथ अंतिम मुखाग्नि दी गई। हादसे में 8 साल के दो बच्चों (अशोक और रोशनी) के सिर से माता-पिता का साया छिन गया है।

ट्रॉले ने मारी थी टक्कर, 4 लोगों की हुई थी मौत : हादसा शुक्रवार रात नेशनल हाईवे-11 पर हुआ, जब एक टेम्पो को ट्राले ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दंपती जगदीश (32) पिता रामलाल व इनकी पत्नी पूजा (30) और 12 वर्षीय टीना पिता लालसिंह की मौत हुई। ये तीनों रतलाम के जावरा विधानसभा के गांव आलमपुर ठिकरिया के रहने वाले थे। यह अपने परिवार के 12 सदस्यों के साथ दीपावली के पहले राजस्थान में मजदूरी के लिए गए थे। एक अन्य मृतक टेंपो का ड्रायवर था जो कि फलोदी का रहने वाला था।

फलोदी से तड़के 4 बजे पहुंचे शव: हादसे की सूचना मिलने पर परिजन व अन्य लोग शनिवार को फलोदी पहुंच गए थे। दोपहर बाद वहां से मृतकों के पीएम के बाद शव व घायलों को लेकर रविवार तड़के 4 बजे जावरा पहुंचे। घायलों को प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती किया गया। मृतकों के शव को जावरा अस्पताल में मर्च्युरी में रखवाकर सुबह 9 बजे गांव ले जाया गया। तीनों के शव एक साथ गांव में आने पर शोक की लहर छा गई।

विधायक-SDM ने दी श्रद्धांजलि: मृतकों को श्रद्धांजलि देने जावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय, जावरा एसडीएम सुनील जायसवाल, एसडीओपी संदीप मालवीय, भाजपा जिला महामंत्री महेश सोनी और गांव के सरपंच कैलाशचंद्र बोडाना समेत अन्य लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। उन्होंने मृतकों व घायलों के परिजनों को ढांढस बंधाया।

दो बच्चे अनाथ हुए: मृतक जगदीश और इनकी पत्नी पूजा के साथ इनके दो बच्चे बेटा अशोक (8) व बेटी रोशनी (8) भी साथ गए थे। हादसे में माता-पिता की मौत के बाद इन दोनों बच्चों से माता-पिता का साया छिन गया। दोनों बच्चे भी घायल हैं। वहीं, मृतक टीना (12) अपनी मां सुगनबाई व पिता लालसिंह (30) के साथ गई थी। इन दोनों ने अपनी बेटी को इस हादसे में खोया है।

हादसे में घायल हुए ये लोग : हादसे में कुल 12 लोग घायल हो गए थे। रविवार सुबह 10 घायलों को जावरा लाकर प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घायलों में अमरू पिता पूना (59), रामकुंवर पति अमरु (जोधपुर में भर्ती) जबकि ममता पति बाबू (30), किंजल पिता बाबू (14), बाबू पिता कारु (35), सुगनबाई पति लालसिंह (30), धर्मेंद्र पिता लालसिंह, भोला पिता दशरथ (8) (गुर्जर अर्निया), रामूबाई पति ईश्वरलाल (35), राहुल पिता ईश्वरलाल (21), अशोक पिता जगदीश (8), रोशनी पिता जगदीश (8) को जावरा लाकर प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया है।

CM ने की थी मुआवजे की घोषणा: हादसे में रतलाम जिले के तीन लोगों का निधन होने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से मृतकों के निकटतम परिजनों को 2-2 लाख रुपए देने की घोषणा की थी। वहीं, घायलों को उपचार के लिए 50-50 हजार रुपए आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने को कहा था।

शराब पार्टी के बाद दोस्त ने चाकू मारकर हत्या की: छतरपुर 30 वर्षीय व्यक्ति के चेहरे और गले पर मिले कई घाव; आरोपी फरार

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर के गौरिहार थाना क्षेत्र के चुरयारी गांव में शनिवार-रविवार की देर रात एक शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में 30 वर्षीय युवक भूरा उर्फ अखिलेश पटेल की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के चेहरे और गले पर चाकू के कई घाव पाए गए हैं। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दावा किया है कि आरोपी को अगले तीन घंटे में गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पिता से झगड़ा होने के बाद घर से निकला था मृतक : एडिशनल एसपी आदित्य पटले ने बताया कि अखिलेश पटेल अपने दोस्तों के साथ गांव के बाहर शराब पार्टी कर रहा था। पुलिस के अनुसार, अखिलेश का पहले अपने पिता से झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वह घर से निकला था। पार्टी के बाद गांव लौटने पर उसका पुराना विवाद सामने आया और इसी के चलते उस पर हमला कर दिया गया।

ASP बोले- आरोपी गांव का है, 3 घंटे में होगा गिरफ्तार : एडिशनल एसपी पटले ने बताया कि पुलिस को मामले में अहम सुराग मिले हैं। उन्होंने दावा किया कि आरोपी गांव का ही है और उसे अगले तीन घंटे में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न, राजस्व प्रकरणों के समय-सीमा पर निराकरण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में गतदिवस जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर दिनेश चंद्र शुक्ला, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के साथ भू-राजस्व की वसूली, स्वामित्व योजना, लोक सेवा गारंटी प्रकरण, फार्मर रजिस्ट्री, जनसुनवाई, न्यायालयों में लंबित याचिकाएं तथा भू-अर्जन से संबंधित मामलों की स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई।

कलेक्टर चौधरी ने 3 एवं 6 माह से अधिक समय से लंबित नामांतरण, बंटवारा, स्वामित्व योजना आदि प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य रूप से हो। शासकीय भूमि से अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाया जाए। रबी उपार्जन को देखते हुए किसानों को समय पर, पारदर्शिता के साथ खाद वितरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे खाद विक्रेता जो अधिक दामों पर किसानों को खाद का वितरण कर रहे है, उनके विरूद्ध कार्यवाही करें। खेतों में नरवाई जलाने पर रोक व वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाने पर जोर दिया गया।

धान एवं मक्का फसलों को हुई संभावित क्षति के सर्वे के निर्देश: कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने धान एवं मक्का की फसल को हुई संभाव्य क्षति के मद्देनजर राजस्व अधिकारियों को संयुक्त सर्वेक्षण कार्य तत्परता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान एवं मक्का फसलों को हुई संभावित क्षति का सर्वे राजस्व, कृषि, उद्यानिकी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कर्मचारियों का संयुक्त दल गठित कर किया जाए। सर्वे कार्य पूर्ण कर विस्तृत प्रतिवेदन जिला कार्यालय को प्रेषित किया जाए।

हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा: कलेक्टर ने फार्मर रजिस्ट्री एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए ई-केवाईसी तथा आधार को बैंक खाते से लिंक कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एसडीएम करैरा ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने पर भेजे सुपरवाइजरों के निलंबन एवं वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही और अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं एसडीएम करैरा अनुराग निंगवाल ने सुपरवाइजरों के निलंबन एवं वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव के प्रस्ताव जिला निर्वाचन अधिकारी शिवपुरी को भेजे हैं।

एसडीएम निंगवाल द्वारा सुपरवाइजर राजेश्वर राम वैरागी एवं संतोष अहिरवार के निलंबन प्रस्ताव भेजे गए हैं, जबकि संतोष शर्मा का वार्षिक वेतन वृद्धि रोके जाने का प्रस्ताव दिया है।

एसडीएम ने कहा कि निर्वाचन कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है और इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही, अनुपस्थिति अथवा उदासीन रवैया सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सुपरवाइजर एवं बीएलओ निर्धारित समयसीमा में अपने क्षेत्र का कार्य पूर्ण करें, जिससे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पारदर्शी एवं समय पर संपन्न किया जा सके।

खरगोन में अपरवेदा बांध फुल, नवंबर में खुले गेट: 317 मीटर पर 1 गेट से 35 क्यूमेक्स पानी छोड़ा, डाउनस्ट्रीम में अलर्ट

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के झिरन्या क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण अपरवेदा बांध अपनी पूर्ण भराव क्षमता तक पहुँच गया।शुक्रवार देर रात 11 बजे बांध का एक गेट (0.30 मीटर) खोला गया,जिससे लगभग 35 क्यूमेक्स पानी छोड़ा गया। कार्यपालन यंत्री एस.एस. अहिरवार ने बताया कि जलस्तर में बढ़ोतरी और सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया गया।जल निकासी नियंत्रित मात्रा में की गई, ताकि निचले क्षेत्र में कोई नुकसान या खतरा न हो।

रात 11 से 2 बजे तक खुला रहा गेट : उन्होंने बताया कि गेट रात 11 बजे से 2 बजे तक खुला रहा। फिलहाल बांध में रबी फसल के लिए पर्याप्त पानी सुरक्षित है। यदि ऊपरी हिस्से से पानी की आवक बढ़ती है, तो स्थिति की निगरानी कर आगे भी सुरक्षित रूप से पानी छोड़ा जाएगा।

सीजन में पहली बार छोड़ा गया पानी : इस सीजन में पहली बार अपरवेदा डैम से पानी छोड़ा गया।इस दौरान वेदा नदी का प्रवाह कुछ समय के लिए बढ़ा,लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही। प्रशासन ने नदी किनारे रहने वाले लोगों, किसानों और पशुपालकों से अपील की है किवे नदी के पास न जाएं और बच्चों व पशुओं को भी दूर रखें। आपात स्थिति में प्रशासन से तुरंत संपर्क करने की सलाह दी गई है।

पुलिस की अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बडी कार्यवाही

स्मैक सप्लाई चेन के आरोपी को किया गिरफ्तार 51.30 ग्राम स्मैक एक मोटरसाईकिल कुल कीमती 10,50,000 रुपये को जप्त किया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के द्वारा अवैध शराब, अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध जीरो टोलरेंस अपनाने के निर्देश दिये गये थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले व एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन मे कल दिनांक 01.11.2025 को शांम को थाना बैराड़ पुलिस को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नीले रंग व ग्रे रंग की फुल बाहे की जैकेट व हल्का आसमानी रंग का पेन्ट पहने हुए काले रंग की हीरो डीलक्स मोटरसाईकिल क्र. ऋछ्व28 स्ष्ट4649 से शिवपुरी से झिरी गांव होते हुये अत्येधिक मात्रा मे मादक पदार्थ स्मैक लेकर बैराड बिक्री करने हेतु आ रहा है। सूचना कि तस्दीक हेतु पुलिस टीम गठित कर फुलीपुरा चौराहा झिरी शिवपुरी रोड़ पर चैकिंग लगाई गयी। मुखबिर द्वारा बताये हुलिये का व्यक्ति हीरो मोटरसाईकिल क्र. ऋछ्व28 स्ष्ट4649 से झिरी तरफ से आते दिखा जिसे घेरकर पकडा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम हेमराज पुत्र बाबूलाल लोधा उम्र 46 साल निवासी ग्राम सेमला, सेमली थाना बापचा जिला बाँरा राजस्थान का होना बताया, जब उसकी तलाशी ली तो पेन्ट मे बायी जेब से सफेद पन्नी मे रखा अवैध मादक पदार्थ स्मैक 51.30 ग्राम, एक इलेक्ट्रोनिक तोल कांटा मिला स्मैक के संबंध मे पूछताछ की तो हेमराज लोधा ने बताया कि उक्त स्मैक को बैराड में जितेन्द्र प्रजापति निवासी बैराड को बेचने के लिये जा रहा था तथा जितेन्द्र को 2800 रूपये प्रति ग्राम के हिसाब से देता था। पूर्व मे भी दो चार बार स्मैक जितेन्द्र को दे चुका हूँ आरोपी को गिरफ्तार कर स्मैक बिक्री करने व रखने का लायसेंस चाहा तो न होना बताया तब आरोपी का कृत्य धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का पाये जाने से स्मैक,तोल काँटा, मोटरसाईकिल को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया आरोपी के विरूद्ध अप. क्र. 423/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट कायम कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी से अन्य व्यक्तियो को स्मैक सप्लाई करने के संबंध मे पूछताछ की जा रही है।

नाबालिग छात्रा से स्कॉर्पियो में गैंगरेप, लिफ्ट देकर सुनसान इलाके में ले गए; बैतूल के आमला रेलवे स्टेशन पर छोड़कर भागे

बैतूल, एजेंसी। बैतूल के आमला थाना इलाके में नौवीं कक्षा की छात्रा से गैंगरेप का मामला सामने आया है। स्कूल की छुट्टी के बाद घर लौट रही छात्रा को 3 बदमाशों सूरज, लोकेश और लालू ने स्कॉर्पियो में लिफ्ट दी और फिर सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ रेप किया। पुलिस को संदिग्ध हालत में मिली पीड़िता की शिकायत पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ड्राइवर फरार है। पीड़िता आमला रेलवे स्टेशन पर बैठी मिली थी। वह रात भर स्टेशन पर बैठी रही। वह दूसरे दिन यानी शनिवार को भी स्टेशन के वेटिंग हॉल में ही बैठी मिली, तो पुलिस का शक गहराया। पूछताछ करने पर उसने आपबीती बताई। इसके बाद पीड़ित के परिजन को बुलाकर शनिवार रात को केस दर्ज कराया।

31 अक्टूबर से लापता थी छात्रा: एडिशनल एसपी कमला जोशी के मुताबिक, पीड़िता 31 अक्टूबर से लापता थी, लेकिन परिजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई थी। परिजन ने पुलिस को बताया कि वह पहले भी एक बार घर से जा चुकी थी और खुद ही लौट आई थी, इसलिए उन्होंने उसकी गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई थी। एसपी बैतूल ने घटना की विस्तृत जांच डीएसपी (विमेन सेफ्टी) दुर्गेश मार्को को सौंपी है।

कार खराब होने का बनाया बहाना: पुलिस के मुताबिक, छात्रा को लिफ्ट देकर आरोपी आमला के एक इलाके की ओर ले गए। पीड़िता ने जब गलत रास्ते पर ले जाने का विरोध किया, तो आरोपियों ने कार खराब होने का बहाना बनाया। वे शाम होने का इंतजार करते रहे। अंधेरा होने पर उन्होंने बारी-बारी से स्कॉर्पियो में ही नाबालिग से रेप किया। इसके बाद उसे रेलवे स्टेशन पर छोड़कर फरार हो गए।

दोस्त के कॉल से पकड़ाए आरोपी : पुलिस को आरोपियों की जानकारी एक फोन कॉल से मिली। आरोपियों के कार खराब होने का बहाना किए जाने पर पीड़िता ने एक आरोपी का फोन लेकर अपने दोस्त को कॉल कर बुलाया था कि वह उसे घर छोड़ दे। दोस्त सारणी में था, इसलिए वह नहीं आ सका। पुलिस को इसी फोन कॉल से आरोपियों की जानकारी मिली और वह पकड़े गए। वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो कार एक आरोपी के साले की थी, जिसे जब्त कर लिया गया है।

2 आरोपी गिरफ्तार, ड्राइवर फरार: पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कार का ड्राइवर फरार हो गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

मंदसौर में 18 लाख की एमडी ड्रग और अल्प्राजोलम जब्त

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर में कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने उनके पास से करीब 18 लाख 40 हजार रुपये मूल्य का एमडी ड्रग्स, अल्प्राजोलम और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई यह कार्रवाई थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में की गई।पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि महू-नीमच रोड स्थित नाका नंबर 10 के पास दो व्यक्ति नशे का सौदा करने वाले हैं।

बुरहानपुर पुलिस का मुस्कान अभियान शुरू, स्कूलों में बालिकाओं को गुड टच-बैड टच की जानकारी दी गई

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर पुलिस ने महिला सुरक्षा शाखा, पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर 'मुस्कान विशेष अभियान' शुरू किया है।यह अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक चलेगा।इसके तहत जिले के विभिन्न स्कूलों में बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। यह अभियान पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार के निर्देशन में,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह कनेश और डीएसपी (महिला सुरक्षा शाखा) प्रीतम सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।इसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना है।

स्कूलों में आयोजित हो रहे जागरूकता कार्यक्रम : अभियान के तहत डीएसपी प्रीतम सिंह ठाकुर और उनकी टीम ने वैदिक विद्यापीठ स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया।वहीं महिला थाना प्रभारी हरि सिंह रावत और उनकी टीम ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निंबोला में जागरूकता कार्यक्रम किया। इन कार्यक्रमों में छात्राओं को महिला संबंधी अपराधों, 'गुड टच-बैड टच', बाल अधिकार, सुरक्षा उपाय और साइबर क्राइम से बचाव के बारे में बताया गया।साथ ही, उन्हें आपात स्थिति में मदद के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। सूचना के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।गर (24) और अनंतलाल दमामी (46) के रूप में हुई है। दोनों राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों से 80 ग्राम एमडी ड्रग्स (कीमत 8 लाख रुपये) और100 ग्राम अल्प्राजोलम (कीमत 10 लाख रुपये) बरामद की। इसके अलावा 40 हजार रुपये मूल्य की एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। कुल जब्त माल का मूल्य 18 लाख 40 हजार रुपये बताया गया है।

टीआई पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22, 29 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।पुलिस अब फरार सहयोगियों और सप्लाई चेन के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस टीम ने छात्रों से सीधा संवाद किया : पुलिस अधिकारियों ने बच्चों से सीधा संवाद करके उनकी शंकाओं का समाधान किया।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

अभियान जारी रहेगा पूरे महीने : महिला सुरक्षा शाखा का यह अभियान बच्चों में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें सुरक्षित माहौल प्रदान करने के लिएपूरे नवंबर महीने तक लगातार जारी रहेगा।

पुलिस द्वारा करीबन 10-11 लीटर हाथ भट्टी की बनी जहरीली शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ द्वारा अवैध शराब बेचने वाले के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक जितेन्द्र सिंह यादव एवं उनकी टीम के द्वारा लगातार कार्यवाही करते हुये दिनांक 01.11.25 को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि थाना देहात क्षेत्र की हवाई पट्टी के पीछे नर्सरी में एक व्यक्ति अबैध शराब बेचने के लिये बैठा है। मुखविर की सूचना पर तत्काल पुलिस टीम हवाई पट्टी के पीछे नर्सरी में पहुंची तो एक व्यक्ति हाथ में एक प्लास्टिक की कट्टी लिये बैठा दिखा जो पुलिस को देखकर वहां से भागने की कोशिश करने लगा जिसे पुलिस फोर्स द्वारा पकडा नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम ललित पुत्र मंगल सिंह यादव उम्र 25 साल निवासी अहीर मोहल्ला पुरानी शिवपुरी का होना बताया, हाथ में ली हुई कट्टी को कब्जे पुलिस लेकर ढक्कन खोलकर देखा व सूंघा तो उसमें से हाथ भट्टी की बनी जहरीली शराब की तीखी गंध आ रही थी जिसमें करीबन 10-11 लीटर हाथ भट्टी की जहरीली शराब कीमती 10000 रुपये को जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध धारा 49क आबकारी एक्ट का कामय कर विवेचना मे लिया गया।

4 माह में 562 लोगों को कुत्तों ने काटा : झाबुआ में कलेक्ट्रेट-अस्पताल परिसर में भी घूम रहे आवारा श्वान

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ शहर में आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं से आमजन परेशान हैं। पिछले चार महीनों में 562 लोग कुत्ते के काटने के बाद इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे हैं। ये आवारा कुत्ते अब सिर्फ सड़कों पर ही नहीं, बल्कि कलेक्ट्रेट और जिला अस्पताल परिसर तक में घूम रहे हैं। कलेक्ट्रेट में कुत्तों को आने से रोकने के लिए गलियारों में रंगीन पानी की बोतलें रखी गई थीं, लेकिन यह उपाय भी बेअसर साबित हुआ। कर्मचारी भी खासे परेशान हैं, एक महिला कर्मचारी भी कुत्ते के काटने से घायल हो चुकी है। शहर की गलियों में कुत्तों के झुंड स्कूली बच्चों और राहगीरों के लिए बड़ी समस्या बन गए हैं। नगर पालिका की उदासीनता के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। सीएमओ मिलन पटेल के सरकारी आवास के बाहर भी कुत्तों के झुंड देखे जाते हैं।

नगर पालिका ने दो बार टेंडर निकाले : सीएमओ मिलन पटेल ने बताया कि नियमों के कारण इन कुत्तों पर सीधे कार्रवाई नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका ने दो बार टेंडर निकाले हैं, लेकिन किसी भी एनजीओ ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। उन्होंने जल्द ही तीसरी बार टेंडर निकालने की बात कही। जिला अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार महीनों में 562 लोग कुत्तों के काटने के बाद उपचार के लिए पहुंचे। इनमें जुलाई में 148, अगस्त में 120, सितंबर में 161 और अक्टूबर में 133 से अधिक मामले शामिल हैं। 29 अक्टूबर को ही 18 लोग कुत्ते के काटने से घायल होकर अस्पताल पहुंचे थे। इन आवारा कुत्तों की न तो नसबंदी की जा रही है और न ही उन्हें पकड़ा जा रहा है।

रोजाना पहुंच रहे 8 से 10 मरीज : सिविल सर्जन डॉ. एमएल मालवीय ने बताया कि जिला अस्पताल में प्रतिदिन 8 से 10 मरीज कुत्ते के काटने के इलाज के लिए आ रहे हैं। अस्पताल में एंटी-रेबीज वैक्सीन (ARV) उपलब्ध है, लेकिन गंभीर मामलों में आवश्यक रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन (RI) का स्टॉक अभी नहीं है। हाल ही में 31 अक्टूबर को जिले के करवड़ में एक पागल कुत्ते ने 5 लोगों को काट लिया था। सभी घायलों को पेटलावद अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। बीएमओ डॉ. एमएल चोपड़ा ने पुष्टि की कि रेबीज वैक्सीन की कोई कमी नहीं है। कि ये ओपन जिम महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उपयोगी होंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो सका है।

भारत ने तीसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

होबार्ट, एजेंसी। भारतीय टीम ने रविवार को होबार्ट के बैलेरीव ओवल में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हरा दिया। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाते हुए जीत हासिल की। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। सीरीज का पहला मैच बारिश से धुल गया था, जबकि दूसरे टी20 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत हासिल की थी।

187 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को चौथे ओवर में 33 के स्कोर पर पहला झटका लगा। अभिषेक शर्मा 16 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद छठे ओवर में शुभमन गिल और आठवें ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव पवेलियन लौट गए। गिल ने 12 गेंदों में 15 रन और सूर्यकुमार ने 11 गेंदों में 24 रन बनाए। तिलक वर्मा और अक्षर पटेल ने मिलकर भारत के स्कोर को 10 ओवर तक 100 रन के पार ले गए। हालांकि अक्षर 111 के कुल स्कोर पर 17 रन बनाकर आउट हो गए, वहीं तिलक वर्मा 29 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद वॉशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा ने 43 रन की नाबाद

साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। वॉशिंगटन ने 23 गेंदों में 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 49 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि जितेश ने 13 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट हासिल किए, जबकि मार्कस स्टोइनिस और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 186 रन बनाए। मेजबान टीम की शुरुआत खराब रही और शुरुआती तीन ओवरों में ही दो झटके लगे। ट्रेविस हेड 6 रन और जोश इंग्लिस मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड ने पारी को संभाला और सातवें ओवर तक टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया। हालांकि, नौवें ओवर में लगातार दो गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया को दो झटके लगे। मार्श 11 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अगली ही गेंद पर मिचेल ओवेन क्लीन बोल्ड हो गए।

टिम डेविड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 8 चौके और 5 छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद मार्कस स्टोइनिस और मैथ्यू शॉर्ट ने छठे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। स्टोइनिस ने 39 गेंदों में 8 चौके और 2 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। शॉर्ट ने 15 गेंदों में 26 रन और जेवियर बार्टलेट 3 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 विकेट झटके। वरुण चक्रवर्ती को 2 विकेट मिले, जबकि शिवम दुबे ने एक विकेट अपने नाम किया।

महिला विश्व कप - फाइनल में लगेगा बॉलीवुड का तड़का, सुनिधि चौहान देंगी प्रस्तुति

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला रविवार को डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम, नवी मुंबई में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाइनल मुकाबले में बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान अपने हिट गानों पर प्रस्तुति देंगी। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ÷सुनिधि चौहान फाइनल में अपनी प्रस्तुति देंगी। उनके साथ 60 नर्तकों का एक समूह होगा। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संजय शेट्टी ने नृत्य निर्देशन का जिम्मा संभाला है। लेजर शो और ड्रोन प्रदर्शन भी किए जाएंगे।÷ मैच से पहले सुनिधि चौहान भारतीय राष्ट्रगान गाएंगी, जबकि केप टाउन की टैरिन बैंक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रगान प्रस्तुत करेंगी।

सुनिधि चौहान ने कहा कि महिला विश्व कप फाइनल में प्रस्तुति देना सम्मान की बात है, और मैं इस खास दिन का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। फाइनल में भारत और उत्साही प्रशंसकों से भरे स्टैंड के साथ, मुझे यकीन है कि माहौल उत्साह से भरपूर होगा, और यह एक ऐसा दिन होगा जिसे हम सभी लंबे समय तक याद रखेंगे।

13 साल की उम्र में अपने गायन करियर की शुरुआत करने वाली सुनिधि चौहान भारत की सर्वाधिक सफल और लोकप्रिय गायिका हैं। फाइनल की बात करें तो, भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। भारतीय टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स के नाबाद शतक की बदौलत रिकॉर्ड 339 रन का लक्ष्य हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। टीम इंडिया पूर्व में 2005 और 2017 में फाइनल खेल चुकी है। दोनों मौकों पर भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, दक्षिण अफ्रीका इंग्लैंड को हराकर फाइनल में पहली बार पहुंची है। इस बार महिला वनडे विश्व कप ऐसी टीम जीतेगी जिसने पूर्व में ट्रॉफी नहीं उठाई। आईसीसी ने शनिवार को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दोनों कप्तानों और ट्रॉफी के साथ तस्वीर शेयर की।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड ने किया 3-0 से क्लीन स्वीप

वेलिंग्टन, एजेंसी । न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ स्काई स्टेडियम में शनिवार को खेले गए वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी इंग्लैंड की टीम 40.2 ओवरों में महज 222 रन पर सिमट गई। इस टीम को महज 7 रन पर जेमी स्मिथ (5) के रूप में झटका लगा, जिसके बाद 44 के स्कोर तक टीम ने अपने 5 विकेट गंवा दिए। यहां से जोस बटलर ने सैम करन के साथ छठे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। सैम करन 29 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जोस बटलर ने 38 रन की पारी खेली। ब्रायडन कार्स ने जेमी ओवरटन के साथ आठवें विकेट के लिए 50 गेंदों में 58 रन जोड़े। ओवरटन अर्धशतक लगाने वाले इकलौते इंग्लिश खिलाड़ी रहे, जिन्होंने 62 गेंदों में 2 छक्कों और 10 चौकों के साथ 68 रन की पारी खेली। उनके अलावा, कार्स ने 36 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी टीम की ओर से ब्लेयर टिकनर ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, जैकब डफी ने 3 विकेट निकाले। 2 विकेट जकारी फौल्कस के नाम रहे।

इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने 44.4 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। डेवोन कॉन्वे और रचिन रवींद्र ने 12.5 ओवरों में 78 रन की साझेदारी की। कॉन्वे 44 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रचिन ने 37 गेंदों में 46 रन की पारी खेली।

वहीं, डेरिल मिचेल ने 68 गेंदों में 44 रन बनाए। उनकी इस पारी में 1 छक्का और 4 चौके शामिल रहे, जबकि कप्तान मिचेल सेंटनर ने 27 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

महिला विश्व कप फाइनल : भारत की जीत के लिए देशभर में दुआएं, वाराणसी में हनुमान चालीसा पाठ

वाराणसी, एजेंसी। वनडे महिला विश्व कप में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रविवार को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। भारत की जीत के लिए देशभर के मंदिरों में क्रिकेट प्रशंसकों ने दुआएं मांगीं और हवन किया। टीम इंडिया की जीत के लिए वाराणसी में क्रिकेट प्रशंसकों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। कुछ क्रिकेट प्रशंसकों के साथ आईएएनएस ने बातचीत की। एक प्रशंसक ने कहा कि हम लोगों ने भारत की विश्व कप फाइनल में जीत के लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया है। हमें विश्वास है कि भारत आसानी से विश्व कप जीत हासिल करेगा और इतिहास रचेगा। भारत ने इससे पहले सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराकर साबित कर दिया है कि इस बार विश्व कप पर कब्जा भारत का होने जा रहा है। नलिनी ने बताया कि हम लोगों ने अपनी टीम के लिए चीयरअप किया है, टीम इंडिया के लिए दीप जलाए। ऑस्ट्रेलिया को हराया, इस बार टीम इंडिया ही जीतेगी। यश ने कहा कि हम लोगों ने भारत की जीत के

लिए हनुमान चालीसा का पाठ किया है। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंची है, साउथ अफ्रीका को हराकर विश्व कप की ट्रॉफी जीतेगी। पूरा भारत टीम इंडिया के साथ है। एक क्रिकेट फैंस ने कहा कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले फाइनल के लिए हम लोग बहुत उत्साहित हैं। हम लोगों ने टीम इंडिया के लिए पूरे जोश के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया है, श्री राम और हनुमान के आशीर्वाद से टीम इंडिया आज इतिहास रचकर विश्व कप की ट्रॉफी जीतेगी। बता दें कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेला जाना है। यह मैच जितना भारत के लिए महत्वपूर्ण है, उतना ही साउथ अफ्रीका के लिए भी है। इस फाइनल मैच से दुनिया को नया विश्व विजेता मिलेगा। भारत जहां इससे पहले दो बार फाइनल का रास्ता तय कर चुकी है, वहीं साउथ अफ्रीका के लिए पहला मौका है। दोनों टीम ने इस विश्व कप में शानदार खेल का प्रदर्शन दिखाया है।

नजमुल हुसैन शांतो की बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान के रूप में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घोषणा की है कि नजमुल हुसैन शांतो 2025-2027 आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र खत्म होने तक बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। शान्तो इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान थे, लेकिन जून में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, अब बीसीबी ने दोबारा उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंप दी है। बीसीबी अध्यक्ष मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 27 वर्षीय बल्लेबाज के नेतृत्व और बांग्लादेश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में बोर्ड के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शान्तो ने टेस्ट क्रिकेट में धैर्य, प्रतिबद्धता और गहरी समझ दिखाई है। उनके नेतृत्व में हमने टीम के प्रदर्शन में विकास, विश्वास और निरंतरता देखी है। बोर्ड का मानना ??है कि इस वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में आगे बढ़ने के साथ नेतृत्व में निरंतरता महत्वपूर्ण होगी। नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा, ÷मुझे बांग्लादेश टेस्ट टीम को लीड करते रहने पर सच में बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मैं बोर्ड का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मेरी कप्तानी पर भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में अपने देश की कप्तानी करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा गर्व है और मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे निभाने के लिए मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इतनी प्रतिभा और क्षमता वाली टीम का नेतृत्व करना खुशी की बात है और मुझे विश्वास है कि हमारा आने वाला सीजन बहुत रोमांचक और अच्छा होगा। हम इस महीने के आखिर में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज का इंतजार कर रहे हैं, जो बांग्लादेश टेस्ट क्रिकेट के लिए एक व्यस्त और महत्वपूर्ण समय की शुरुआत है।

अश्विन का फूटा गुस्सा, इस खिलाड़ी को टीम से बाहर रखने पर उठाए सवाल

मेलबर्न, एजेंसी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में मिचेल मार्श की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 4 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। लेकिन इस मुकाबले के बाद टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन को लेकर एक बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ है- अर्शदीप सिंह को आखिर क्यों बाहर रखा गया?भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि अर्शदीप जैसे गेंदबाज को लगातार बेंच पर बैठाना समझ से परे है।

अश्विन ने जताई नाराजगी: अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, अगर बुमराह टीम में हैं, तो उनके बाद आपके दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में अर्शदीप सिंह का नाम सबसे पहले होना चाहिए। और अगर बुमराह नहीं खेल रहे, तो अर्शदीप को पहला विकल्प होना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि अर्शदीप को बार-बार इस टीम से कैसे बाहर रखा जा रहा है। टीम प्रबंधन, जिसकी अगुवाई गौतम गंभीर कर रहे हैं, बल्लेबाज़ी में गहराई को तरजीह देता आ रहा है। लेकिन इसका असर गेंदबाज़ी विभाग पर पड़ रहा है – और इसी कारण अर्शदीप, जो भारत के सबसे सफल टी20 गेंदबाज़ों में से एक हैं, लगातार बेंच पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। अर्शदीप के नाम अब तक 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 101 विकेट हैं, औसत 18.76 के साथ। अश्विन के मुताबिक, इस रिकॉर्ड के बाद भी उन्हें नजरअंदाज करना गलत रणनीति है।

हर्षित राणा पर भी बोले अश्विन: अश्विन ने कहा, हर्षित ने ठीक-ठाक बल्लेबाज़ी की, लेकिन बात यहां उनकी नहीं, अर्शदीप की है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में अर्शदीप ने शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन उसके बाद उन्हें टीम से बाहर ही रखा जा रहा है। इतनी बार बेंच पर बैठने के कारण उनका रिदम भी थोड़ा खो गया है। गौर है कि अब टीम इंडिया शुक्रवार को 2 नवंबर को बेलरिव (निंजा स्टेडियम) में तीसरा टी20 मुकाबला खेलेगी। भारत के लिए यह मैच सीरीज में वापसी का अहम मौका होगा।

भारत के टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर खेल से संन्यास की घोषणा कर दी। इसी के साथ उनके दो दशक से भी ज्यादा लंबे करियर का अंत हो गया है। रोहन बोपन्ना ने इंस्टाग्राम स्टोर पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, ÷अलविदा... पर अंत नहीं। आप किसी ऐसी चीज को कैसे अलविदा कहेंगे, जिसने आपके जीवन को एक अर्थ दिया? हालांकि, टूर पर 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद, अब समय आ गया है। मैं आधिकारिक तौर पर अपना संन्यास ले रहा हूं।÷ उन्होंने लिखा, ÷जब मैं यह लिख रहा हूं, मेरा दिल एक साथ भारी भी है और आभारी भी। मैंने भारत के कूर्ग जैसे छोटे से शहर से अपनी यात्रा शुरू की। मैंने सर्व को मजबूत करने के लिए लकड़ी के लट्ठे काटे, स्टैमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों में दौड़ा। आज दुनिया के सबसे बड़े एरीना की रोशनी में खड़ा होना किसी सपने जैसा लगता है। स्टार खिलाड़ी ने लिखा, ÷टेनिस मेरे लिए सिर्फ एक खेल नहीं रहा। इसने मुझे दिशा दी जब मैं भटका हुआ था, हिम्मत दी जब मैं टूटा था, और विश्वास दिलाया जब दुनिया ने मुझ पर शक किया। हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरा, इस खेल ने मुझे धैर्य सिखाया, गिरकर दोबारा उठने की ताकत दी और तब लड़ना सिखाया जब अंदर से हार मान लेने का मन हुआ। सबसे बढ़कर, इसने मुझे हमेशा याद दिलाया मैंने क्यों शुरुआत की थी और मैं कौन हूं।÷

यूएस ओपन के फाइनल के अलावा, बोपन्ना तीन और ग्रैंड स्लैम के फाइनल में भी पहुंचे। उन्होंने 2012 और 2015 में महेश भूपति और फ्लोरिन मर्जिया के साथ साल के अंत में हुए एटीपी फाइनल्स के फाइनल मुकाबले में भी हिस्सा लिया था। साल 2017 में फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल जीतने वाले 45 वर्षीय बोपन्ना ने कई डेविस कप मुकाबलों और ओलंपिक खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। 43 वर्ष की आयु में उन्होंने विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना ने 2017 में फ्रेंच ओपन में मिश्रित युगल भी जीता। रोहन बोपन्ना आखिरी बार पेरिस मास्टर्स 1000 में खेले थे, जहां उन्होंने एलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ मिलकर खेला था।

महिला विश्व कप: फाइनल से पहले अफ्रीकी कप्तान का दमदार संदेश, हम होम क्राउड को साइलेंट कर देंगे

नवी मुंबई, एजेंसी। डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को होने वाले आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल से पहले साउथ अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने बड़ा बयान देकर मुकाबले का माहौल गर्मा दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम पूरी तरह तैयार है और भारत के घरेलू दर्शकों को चुप कराने के इरादे से मैदान में उतरेगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वोल्वार्ड्ट ने कहा, उम्मीद है कि हम जीतेंगे... और शायद इससे स्टेडियम थोड़ा शांत हो जाएगा। उनका इशारा उन भारतीय समर्थकों की ओर था जो रविवार को खचाखच भरे स्टेडियम में अपनी टीम को चीयर करेंगे। वोल्वार्ड्ट ने साफ किया कि टीम अब अपने पुराने सेमीफाइनल हारों या रिकॉर्ड की परवाह नहीं कर रही। उन्होंने कहा, हर मैच नई शुरुआत होती है। जो कुछ पहले हुआ, वो अब इस फाइनल पर असर नहीं डालेगा। जो टीम दबाव में शांत रहेगी, वही ट्रॉफी उठाएगी। 25 वर्षीय कप्तान ने यह भी स्वीकार किया कि भारत को घरेलू समर्थन का फायदा मिल सकता है, लेकिन उससे दबाव भी बढ़ेगा। भारतीय टीम को अपने दर्शकों से ऊर्जा मिलेगी, लेकिन उसी के साथ उनसे उम्मीदें भी जुड़ी होंगी। हम बस अपने खेल पर ध्यान देंगे और प्रदर्शन से जवाब देंगे। साउथ अफ्रीका की टीम ने इंग्लैंड को सेमीफाइनल में 125 रन से हराकर पहली बार महिला वनडे विश्व कप फाइनल में जगह बनाई। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत तीसरी बार फाइनल खेलेगा और 2005 व 2017 की हार का दर्द मिटाने उतरेगा। भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 339 रन का पीछा कर आया है और टीम आत्मविश्वास से भरी हुई है।

अगर भारतीय महिला टीम वर्ल्ड कप जीती तो बीसीसीआई इनाम में देगा 125 करोड़ रुपए

सिडनी, एजेंसी। आज वह दिन है जिसका इंतजार भारत की हर महिला क्रिकेटर और क्रिकेट प्रेमी ने सालों से किया है। महिला वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल आखिरकार आ गया है, जहां भारत नवी मुंबई के डॉ. डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका से भिड़ने जा रहा है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम अपने तीसरे फाइनल में उतर रही है और अब इतिहास रचने से बस एक जीत दूर है। देशभर में उत्साह चरम पर है और पूरा भारत इन बहादुर लड़कियों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस कर रहा है। इस बीच, बीसीसीआई ने टीम के लिए एक बड़ा सरप्राइज प्लान किया है, अगर भारत खिताब जीतता है, तो महिला क्रिकेटरों को मिलेगा अब तक का सबसे बड़ा नकद इनाम।

भारत की ऐतिहासिक जंग- तीसरी बार फाइनल में मुकाबला: भारतीय महिला टीम ने पिछले कुछ वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है। 2017 में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में करीब पहुंचकर हारने के बाद यह उनका तीसरा वर्ल्ड कप फाइनल है। हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा जैसी स्टार खिलाड़ी इस बार किसी भी कीमत पर इतिहास बदलने के लिए मैदान में

उतरेंगी। भारत ने इस टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराया था। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या टीम इंडिया पहली बार विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम कर पाएगी।

बीसीसीआई की बड़ी घोषणा- जीत पर मिलेगा 125 करोड़ रुपए : PTI की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने फैसला किया है कि अगर भारत महिला टीम फाइनल जीत जाती है, तो खिलाड़ियों को 125 करोड़ रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। यह वही राशि है जो रोहित शर्मा की अगुवाई वाली पुरुष टीम को 2024 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद मिली थी। बीसीसीआई का यह कदम क्रिकेट में लैंगिक समानता को लेकर उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, बीसीसीआई पुरुष और महिला क्रिकेटर्स के लिए समान वेतन नीति का समर्थन करता है। ऐसे में अगर हमारी महिलाएं विश्व चैंपियन बनती हैं, तो उनका इनाम पुरुष टीम से कम नहीं होगा।

समान वेतन की दिशा में बड़ा कदम: पिछले कुछ वर्षों में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेट के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, समान मैच फीस नीति, महिला आईपीएल (WPL) की शुरुआत और अब यह ऐतिहासिक इनाम योजना। यह कदम न सिर्फ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि देशभर की उभरती क्रिकेटर लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। महिला क्रिकेट में बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि अब भारत की वीमेन इन ब्लू किसी से कम नहीं।

हारने पर भी मिलेगा इनाम: हालांकि बीसीसीआई का फोकस जीत पर है, लेकिन अगर टीम इंडिया फाइनल में हार भी जाती है, तो भी खिलाड़ियों को फाइनेंशियल इनाम मिलेगा। हालांकि, उसकी सटीक राशि का खुलासा नहीं किया गया है। 2017 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड से 9 रन से हारने के बाद बीसीसीआई ने हर खिलाड़ी को 50 लाख रुपए दिए थे। इस बार उम्मीद है कि बोर्ड उससे भी बड़ा इनाम देगा ताकि खिलाड़ियों की मेहनत और जज़्बे का सम्मान किया जा सके।

परे देश की निगाहें हरमनप्रीत एंड कंपनी पर: नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में आज लाखों दर्शकों और करोड़ों फैंस की दुआएं भारतीय टीम के साथ होंगी।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत

प्रताप देव वार्ड स्थित शासकीय भूमि में मल्टी स्टोरी पार्किंग बनाने के पक्ष में शहर के जनमानस का मिला जोरदार समर्थन : राजेश चौधरी

प्रताप देव वार्ड स्थित शासकीय भूमि में मल्टी स्टोरी पार्किंग हेतु कांग्रेस ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में समस्त पार्षदगण, कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा प्रतापगंज पारा प्रतापदेव वार्ड क्रमांक 11 में स्थित शासकीय भूमि में मल्टी स्टोरी पार्किंग बनाने की मांग को लेकर शहर के झंकार टॉकीज चौंक से कोतवाली चौंक तक जनमानस के सुझाव स्वरूप हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने हस्ताक्षर अभियान के दौरान कहा प्रतापगंज पारा प्रताप देव वार्ड नं 11 में स्थित शासकीय भूमि में मल्टी स्टोरी पार्किंग बनाने के पक्ष में शहर के जनमानस का जोरदार समर्थन मिल रहा है और जनता का यह इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि शहर की जनता भी मल्टी स्टोरी पार्किंग निर्माण चाहती है वहीं मल्टीपार्किंग की नाम पर महापौर की मनमानी अब बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है शहर की जनता ने अपने एवं शहर के लिए समुचित निर्णय, हितकारी निर्णय व शहर को सुस्सज्जित एवं व्यवस्थित करने की मंशा

से भाजपा शासित नगर सरकार को नगर निगम में अपने लिए एवं शहर के लिए सर्वमान्य हितकारी निर्णय लेने हेतु अपना अमुल्य मतदान कर नगर निगम में भाजपा शासित नगर सरकार को स्थापित किया था जो कि वर्तमान में जनता के हितकारी निर्णय ना ले रही है महापौर का जनता विरोधी चेहरा सबके सामने है महापौर पांडे जी सत्ता के नशे में मदमस्त हैं शहर के हदय स्थल में स्थित भूमि को आम जनता के पार्किंग के लिए ना देते हुए आम जनता विरोधी कार्य भाजपा नगर सरकार कर रही है जबकि मेन रोड का मुल्यांकन नगर निगम में बैठी सरकार करे तो भूमि की आवश्यकता किसी एक की नही जगदलपुर की समस्त नगरवासियों की आवश्यकता है शहर के हृदय स्थल में स्थित शासकीय भूमि को जनता के हित में माल्टीलेवल पार्किंग के लिए आवंटित किया जाए। जिसके लेकर जिला कांग्रेस के निर्देश पर कांग्रेसजनों के द्वारा जनमानस के राय व सुझाव हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया गया है।

इस दौरान वरिष्ठ कांग्रेसी उमाशंकर शुक्ला, रामशंकर राव,गौरनाथ नाग, कौशल नागवंशी,अतिरिक्त शुक्ला, महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद,पार्षद सूर्यापानी, जाहिद हुसैन, सूरज कश्यप,युवा कांग्रेस अध्यक्ष अजय बिसाई,एनएसयूआई अध्यक्ष विशाल खम्बारी,कैलाश नाग,विक्रम सिंह डांगी,शुभम यदू,राकेश मोर,आभास महंती, निकेत झा, विश्वनाथ चौधरी, नीतीश शर्मा, अंजना नाग,एस नीला ज्योति राव, शादाब अहमद,कमला भतरा,मनीता रावत अभय तिवारी,समीर खान, खीरेंद्र यादव आदि मौजूद रहे ।

सोशल हैंडल में आपत्तिजनक पोस्ट मामले में न्यायालय ने लिया संज्ञान, पुलिस को निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट पेश करने चिरमिरी कोर्ट ने किया आदेशित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। बीते दिनों प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के स्वास्थ्य विभाग और उनके जनहित कार्यों को दरकिनार करते हुए रायपुर निवासी देवेंद्र किशोर गुप्ता ने सोशल मीडिया में आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस मामले में आवेदक बने एमसीबी के भाजपा जिला महामंत्री द्वारिका प्रसाद जायसवाल ने आज भाजपा कार्यालय बड़ा बाजार चिरमिरी में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि देवेंद्र किशोर गुप्ता ने हमारे लोकप्रिय नेता श्याम बिहारी जायसवाल के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी की और सोशल हैंडल में पोस्ट कर उनकी छवि को खराब करने का प्रयास किया।

जिला महामंत्री ने बताया कि उन्होंने पहले चिरमिरी थाने में शिकायत की थी, लेकिन संज्ञेय अपराध ना होने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद, उन्होंने पुलिस अधीक्षक श्री सी. एम. सिंह से चर्चा की, जिन्होंने आश्वस्त किया कि एफआईआर दर्ज की जाएगी।

जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो उन्होंने माननीय न्यायालय चिरमिरी में 174/175(3) नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत परिवाद दायर किया। न्यायालय ने इस मामले का संज्ञान लिया और चिरमिरी पुलिस को निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

जायसवाल ने कहा कि देवेंद्र गुप्ता का यह कृत्य ब्व्हस् की धारा 356 और 132 के तहत दंडनीय है। उन्होंने उम्मीद जताई कि न्यायालय इस मामले में कड़ी सजा देगा। इस प्रेस वार्ता में नगर के मेयर राम नरेश राय, मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर, और अन्य भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। अब देखना है कि पुलिस इस मामले में कार्रवाई कैसे करती है।

गोपाष्टमी पर हैप्पी कामधेनु गौ शाला में गौसेवकों का सम्मान

राष्ट्रीय एवं राजकीय सम्मान से गौ शाला को सम्मानित करे सरकार : मुन्ना बजरंगी

जगदलपुर, एजेंसी। गोपाष्टमी के पावन अवसर पर हैप्पी कामधेनु गौशाला,बस्तर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें गौ सेवा और गौ रक्षा के प्रति समर्पित बजरंग दल के गौ रक्षकों एवं सेवकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान गौ सेवा आयोग के जिला सदस्य एवं हैप्पी कामधेनु गौशाला के संचालक दीपक पनपालिया द्वारा प्रदान किया गया।

जिला संयोजक बजरंग दल मुन्ना कोरी ने बताया कि बस्तर जिला ही नहीं, बल्कि बस्तर संभाग के अन्य जिलों और पड़ोसी राज्यों से भी घायल एवं बीमार गौवंश के उपचार हेतु गौमाताओं को हैप्पी कामधेनु गौशाला लाया जाता है। यहाँ नियमित रूप से उपचार, चारा पानी और रहने के लिए शेड जैसी सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि यह सेवा कार्य लगभग कई दशकों से निरंतर जारी है। शासन प्रशासन से मांग है कि गौशाला द्वारा किए जा रहे इस निस्वार्थ सेवा

कार्य को देखते हुए संस्थान को राष्ट्रीय एवं राजकीय सम्मान से सम्मानित किया जाए।

कार्यक्रम में श्रद्धा और भक्ति भाव से गौमाताओं को छप्पन भोग अर्पित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गौमाताओं की पूजा-अर्चना की।

कलेक्टर हरिस एस ने सेवानिवृत्त 10 शासकीय सेवकों को शॉल-श्रीफल भेंटकर किया सम्मानित

सेवानिवृत्ति दिवस पर सौंपा पेंशन भुगतान एवं जीपीएफ प्राधिकार पत्र

जगदलपुर, एजेंसी। अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी-कर्मचारियों के सम्मान में भावभीनी और गरिमामय विदाई समारोह कलेक्टोरेट के 'आस्था कक्ष' में शुक्रवार 31 अक्टूबर को आयोजित किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त हो रहे 10 शासकीय सेवकों के प्रति आभार व्यक्त करना था, जिन्होंने अपनी सेवा के महत्वपूर्ण वर्ष प्रशासन को समर्पित किए।

कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए कलेक्टर श्री हरिस एस ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया। कलेक्टर श्री हरिस ने उनके दीर्घकालिक और समर्पण भाव से किए गए कार्यों की सराहना करते हुए सभी को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को पेंशन प्राधिकार पत्र, जीपीएफ अंतिम भुगतान प्राधिकार

पत्र और उपादान (ग्रैच्युटी) से संबंधित स्वत्वों के भुगतान आदेश प्रदान कर स्वस्थ-दीर्घायु एवं खुशहाल जीवन की शुभकामनाएं देते हुए दीर्घकालिक शासकीय सेवाओं के लिए आभार जताया। इस अवसर पर उपस्थित संभागीय सयुक्त संचालक कोष एवं लेखा श्री कमलेश रायस्त और वरिष्ठ कोषालय अधिकारी श्री अनिल कुमार पाठक ने सेवानिवृत्त हुए शासकीय सेवकों को स्वस्थ, सुखी और खुशहाल पारीवारिक जीवन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों ने भी शासकीय सेवाकाल के अपने अनुभव साझा करते हुए पेंशन प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करने के साथ ही सेवानिवृत्ति दिवस पर सम्मान समारोह आयोजन को संवेदनशील एवं सार्थक पहल निरूपित किया। इस मौके पर सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के परिजन भी मौजूद रहे।

मनेंद्रगढ़ प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ के चैनपुर इलाके में स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री में बीती रात भीषण आग लग गई। आग लगने से फैक्ट्री में रखी प्लास्टिक सामग्री जलकर राख हो गई, और एक वाहन भी आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गया।

बैकुंठपुर और खान बचाव मनेंद्रगढ़ की फायर ब्रिगेड टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन इस दौरान नगरपालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की दमकल गाड़ी घटनास्थल पर नहीं पहुंची, जिससे स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

यह मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है, और पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि आग लगने के कारणों की जांच की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। इस घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा और आपातकालीन सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठाए हैं।

शिक्षित बेरोजगार महिलाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

5 नवम्बर को सुकमा में होगा मेगा प्लेसमेंट कैंप

सुकमा, एजेंसी। जिले की शिक्षित बेरोजगार महिलाओं के लिए जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सुकमा में 05 नवम्बर 2025 को मेगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट ड्राइव में 'लिवियन सॉल्यूशन प्रा. लि. (बेंगलुरु)' के माध्यम से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स,

बेंगलुरु में रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। कैंप में चयनित अभ्यर्थियों को निःशुल्क रहने और खाने की सुविधा के साथ अच्छा वेतन मिलेगा। सुपरवाइजर 50 पद हेतु आयु 21 से 35 वर्ष, योग्यता स्नातक, वेतन ?20,000 प्रति माह होगा और मोबाइल असेंबली लाइन ऑपरेटर 1000 पद हेतु आयु 18 से 30 वर्ष, योग्यता 10वीं पास, वेतन ?18,000 प्रति माह होगा। आवश्यक दस्तावेज में आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, शैक्षणिक अंकसूची एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य है। इच्छुक महिलाएं जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज सुकमा में दूरभाष क्रमांक 6263329055, 8319799339 में संपर्क कर सकती हैं।

कलेक्टर ने की मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर स्कीम 2022 अंतर्गत दावा प्रकरणों की समीक्षा

जिला स्तरीय समिति द्वारा 07 प्रकरणों पर साढ़े 12 लाख रुपए की सहायता की अनुशंसा

जगदलपुर, एजेंसी। टक्कर मार कर भागना, मोटरयान दुर्घटना पीड़ित प्रतिकर स्कीम 2022 के अंतर्गत दावा प्रकरणों की समीक्षा समेत स्वीकृति हेतु कलेक्टर एवं दावा निपटान आयुक्त हरिस एस की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित बैठक के दौरान जिला स्तरीय समिति के द्वारा 07 प्रकरणों पर साढ़े 12 लाख रुपए की सहायता प्रदान करने की अनुशंसा की गई, जिसमें कैशलेस ट्रीटमेंट की सहायता भी सम्मिलित है।

कलेक्टर एवं दावा निपटान आयुक्त हरिस ने बैठक में हिट एंड रन के लंबित प्रकरणों का जल्द निराकरण कर संवेदनशीलता के साथ पीड़ितों को त्वरित मदद देने पर जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक जांच एवं दस्तावेजों की पूर्ति किए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने हर महीने में प्रकरणों की स्वीकृति के लिए प्रत्येक सप्ताह प्रकरणों जांच एवं रिपोर्ट की अद्यतन स्थिति के बारे में अवगत करवाने कहा। बैठक के दौरान दावाकर्ता तोकापाल तहसील अंतर्गत केशलूर निवासी जगन्नाथ बघेल पिता सुकरू एवं अजय शर्मा पिता अयोध्या प्रसाद शर्मा, एर्राकोट निवासी रामधर कश्यप पिता स्वर्गीय बोजो सहित बास्तानार तहसील अंतर्गत मूतनपाल निवासी बोके राम गावड़े पिता स्वर्गीय कोसा गावड़े और बकावण्ड तहसील के मोंगरापाल निवासी गुड़िया ठाकुर पति स्वर्गीय रामलाल ठाकुर प्रत्येक को दो-दो लाख रुपए सहायता प्रदान का अनुमोदन किया गया। वहीं करपावण्ड तहसील अंतर्गत तोंगकोंगेरा निवासी दावाकर्ता भीनेश्वरी खम्बारी पति जगन्नाथ खम्बारी को 50 हजार रुपए की सहायता प्रदान करने की अनुशंसा की गई है। इन अनुशंसित प्रकरणों में चिकित्सालयों के द्वारा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से उपलब्ध करवाए गए कैशलेस ट्रीटमेंट की सहायता शामिल है।

जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का शुभारंभ 02 नवंबर से

कोंडागांव विधायक लता उसेंडी होंगी मुख्य अतिथि

कोण्डागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में तीन दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन 02 नवम्बर से 04 नवंबर तक विकास नगर स्टेडियम कोण्डागांव में होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 02 नवम्बर को शाम 06 बजे से होगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और स्थानीय विधायक लता उसेंडी विधायक शामिल होंगी। राज्योत्सव में विभिन्न विभागों द्वारा केन्द्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासन की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

जिले में राज्योत्सव कार्यक्रम जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। समारोह में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों और स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी।

नगरीय क्षेत्र में बस्तर ओलम्पिक का आयोजन 03 नवम्बर को

कोंडागांव, एजेंसी। जिले में बस्तर ओलम्पिक 2025 का आयोजन जोन स्तर पर 30 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है, जिसमें ग्राम पंचायत के खिलाड़ी भाग लेंगे। इसी तरह नगरपालिका परिषद कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र एवं समस्त वार्ड के खिलाड़ियों की प्रतियोगिता दिनांक 03 नवंबर को आयोजित होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बालक-बालिका के लिए आयु वर्ग 14 से 17 वर्ष, वहीं 17 से अधिक वर्ष के महिला-पुरुष भी भाग ले सकते हैं, इस प्रतियोगिता में वे ही खिलाड़ी भाग लेंगे जिनका पंजीयन ऑनलाईन हुआ है प्रतियोगिता स्थल खो-खो एवं रस्साकसी एनसीसी मैदान, एथलेटिक्स नगर पालिका स्टेडियम कनेरा रोड, कबडडी, वॉलीबॉल ऑडिटोरियम के पीछे, आरचरी खेलो इंडिया सेंटर, कराते टाउनहॉल, बैडमिंटन ऑडिटोरियम के बाजू बैडमिंटन कोर्ट में सम्पन्न होगा एवं फुटबॉल विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता के साथ सम्पन्न होगा। भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ी प्रतियोगिता के दिन अपने पहचान पत्र के साथ उपस्थित होने को कहा गया है।

प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएँ दीं

रायपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को शुभकामनाएँ दी हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रकृति और संस्कृति के प्रति समर्पित छत्तीसगढ़ आज प्रगति के नए मानदंड स्थापित कर रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि जो क्षेत्र कभी नक्सलवाद से प्रभावित थे, वे अब विकास की दौड़ में अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के मेहनती और प्रतिभाशाली लोग अपनी लगन और उद्यमशीलता से 'विकसित भारत' के विज़न को साकार करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री ने एक्स (X) पर लिखा- छत्तीसगढ़ के अपने सभी भाई-बहनों को राज्य के स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ की अनेकानेक शुभकामनाएँ। प्रकृति और संस्कृति को समर्पित यह प्रदेश आज प्रगति के नित-नए मानदंड गढ़ने में जुटा है। कभी नक्सलवाद से प्रभावित रहे यहां के कई इलाके आज विकास की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मुझे भरोसा है कि यहां के मेहनती और हुनरमंद लोगों की लगन और उद्यम से हमारा यह राज्य विकसित भारत के विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्योत्सव स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आज नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव परिसर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी राज्य की विकास यात्रा, सुशासन के नवाचारों और न्याय प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में हुए ऐतिहासिक प्रयासों का जीवंत प्रदर्शन है। यह प्रदर्शनी 1 से 5 नवम्बर 2025 तक आम नागरिकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और जनप्रतिनिधियों के लिए खुली रहेगी, जिसमें शासन की योजनाओं, जनसेवाओं और नई कानूनी व्यवस्थाओं की जानकारी आम जनता तक रोचक तरीके से पहुंचाया जाएगा। राज्योत्सव प्रदर्शनी में प्रमुख रूप से राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, खाद्य विभाग, शिक्षा विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, खनिज विभाग, गृह विभाग, छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण, श्रम विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, जनसंपर्क विभाग, आदिवासी विकास विभाग, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग, जल संसाधन विभाग, उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामान्य प्रशासन विभाग ने भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से अपने विभाग की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित किया है। ये सभी विभाग अपनी योजनाओं और नवाचारों के माध्यम से प्रदेश की 25 वर्ष की उपलब्धियों का चित्रण कर रहे हैं।

गृह विभाग की प्रदर्शनी में दिखी नवीन आपराधिक कानूनों की झलक: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में न्याय प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में किए गए सुधारों को गृह (पुलिस) विभाग की प्रदर्शनी में विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया है। इन नवीन आपराधिक कानूनों का उद्देश्य अपराधों की जांच और निपटान में वैज्ञानिक पद्धति, डिजिटल साक्ष्य और फोरेंसिक सहयोग को प्राथमिकता देना है, जिससे न्याय प्रणाली अधिक तेज़, प्रभावी और पारदर्शी बने।

गृह विभाग की प्रदर्शनी में पुलिस विभाग, डायल 112, सीन ऑफ क्राइम यूनिट, सिविल हॉस्पिटल, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, अभियोजन, जिला न्यायालय, कारागृह, उच्च न्यायालय सहित न्याय व्यवस्था के पाँच प्रमुख स्तंभ – पुलिस, जेल, अभियोजन, फोरेंसिक विशेषज्ञ और न्यायिक अधिकारी – की भूमिका को दर्शाया गया है।

गृह विभाग द्वारा प्रदर्शनी में जानकारी दी गई कि तकनीक, अनुसंधान और समन्वय के माध्यम से अब अपराध जांच और न्यायिक प्रक्रिया में गति और सटीकता लाई जा रही है। अभियोजन और न्यायिक कार्यवाहियों की ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली भी न्याय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने में सहायक सिद्ध हो रही है।

इंटरएक्टिव लर्निंग ङ्क खेल-खेल में कानून की समझ: प्रदर्शनी के अवलोकन हेतु आने वाले नागरिकों और छात्र-छात्राओं के लिए क्विज़ एवं खेल-खेल में कानून को समझने जैसे रोचक इंटरएक्टिव कार्यक्रम रखे गए हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों को सरल और रोचक तरीके से समझाया जा रहा है। यह पहल न केवल जनजागरूकता बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि नागरिकों में कानून के प्रति सम्मान, विश्वास और सहभागिता की भावना भी विकसित कर रही है। उल्लेखनीय है कि नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन से अपराधियों को सजा देने की प्रक्रिया अधिक तेज़, सटीक और वैज्ञानिक होगी। इससे आमजन के मन में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना और अधिक सुदृढ़ होगी। यह प्रदर्शनी न्यायिक सशक्तिकरण, सुशासन और नागरिक जागरूकता का एक सजीव उदाहरण प्रस्तुत करती है।

आमजन से सहभागिता की अपील: राज्य सरकार ने आम नागरिकों, महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों से अपील की है कि वे राज्योत्सव स्थल पर आयोजित इस प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में पहुँचें, नवीन आपराधिक कानूनों और शासन की जनसेवाओं से जुड़ें तथा नवीन भारत - न्याय के नए अध्याय की भावना में सहभागी बनें। यह प्रदर्शनी न केवल शासन की उपलब्धियों का दस्तावेज़ है, बल्कि छत्तीसगढ़ के राज्योत्सव को सुशासन और न्याय-संवेदनशीलता के नए आयाम से जोड़ने वाली एक अभिनव पहल भी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा